‘पालटानो दरकार, चाई बीजेपी सरकार’ के नारे ने पलट दी ममता सरकार

मंगलवार, 5 मई 2026

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

# समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष चतुर्थी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : खामोश रहना अच्छा है क्योंकि ज्यादा गुनाह इंसान की जुबान से होता है।

# भयOUTभरोसाIN

## 8 जिलों में नहीं खुला टीएमसी का खाता, कोलकाता में भी तृणमूल का हुआ बुरा हश्र

## बंगाल में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत के साथ रचा इतिहास, टीएमसी 81 सीटों पर सिमटीं

पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं में जोश भरते प्रदेश के प्रभारी मंगल पांडेय, सुनील बंसल, भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य और राज्यसभा सांसद राहुल सिन्हा

**कोलकाता, समाज्ञा**

भाजपा ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की धरती पर कमल खिलाने का जो सपना देखा था, वह अंतत: साकार हुआ। भगवा पार्टी ने बंगाल विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज कर 15 वर्षों के तृणमूल सरकार का अंत कर दिया। सोमवार को घोषित हुए नतीजों में भाजपा ने 206 सीटों पर जीत दर्ज की। 2021 में भाजपा को मात्र 77 सीटें ही मिली थीं। वहीं, गत बार 215 सीटें जीतने वाली तृणमूल कांग्रेस 81 सीटें ही जीत पाई। तृणमूल आठ जिलों अलीपुरद्वार, कलिंपोंग, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाडग्राम, जलपाईगुड़ी, पूर्व मेदिनीपुर व दार्जिलिंग में खाता तक नहीं खोल पाई। वहीं, तृणमूल को मालदा, मुर्शिदाबाद, उत्तर दिनाजपुर व दक्षिण 24 परगना जैसे मुस्लिम बहुल जिलों में भी भारी झटका लगा है। वहां मुस्लिमों के एक बड़े वर्ग ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया। भाजपा से जीतने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व केंद्रीय मंत्री निशिथ प्रमाणिक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष, रूपा गांगुली, अग्निमित्रा पाल, सुवेंदु अधिकारी के भाई दिब्येंदु अधिकारी, हिरन चटर्जी शामिल हैं। तृणमूल को अपने सबसे मजबूत गढ़ कोलकाता में भी जोरदार झटका लगा और यहां की टॉलीगंज, मानिकतल्ला, जोड़ासांको, रासबिहारी, श्यामपुकुर, जादवपुर समेत कई सीटों से हाथ धोना पड़ा। भाजपा को प्रचंड बहुमत दर्शाता है कि उसे महिलाओं का भी पूरा समर्थन मिला है, जिन्होंने लक्ष्मी भंडार की जगह अन्नपूर्णा भंडार पर भरोसा जताया है। भाजपा की प्रचंड जीत के बीच कांग्रेस व वाममोर्चा भी फिर से अपना खाता खोलने में सफल रही। माकपा ने एक तो कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं। दूसरी ओर, इंडियन सेक्युलर फ्रंट के नौशाद सिद्दीकी अपनी भांगड़ सीट बचाने में सफल रहे। वहीं, तृणमूल से निलंबित होने के बाद अपनी आम जनता उन्नयन पार्टी गठित करने वाले हुमायूं कबीर नोउदा व रेजीनगर दोनों सीटों पर जीते, हालांकि उनकी पार्टी का और कोई प्रत्याशी जीत नहीं दर्ज कर पाया। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआएमआइएम को भी एक सीट नसीब नहीं हुई।

## यह बदलाव का समय है, बदले का नहीं : मोदी

**नयी दिल्ली :** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत के बाद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि ''आज से बंगाल भयमुक्त हुआ है'' और यह बदलाव का समय है, बदले का नहीं। उन्होंने सभी दलों से राजनीतिक हिंसा की संस्कृति को त्यागने और राज्य के भविष्य पर ध्यान केंद्रित करने की भी अपील की। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के बाद भाजपा मुख्यालय में उत्साहित पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि नारी शक्ति वंदन (संशोधन) विधेयक का विरोध की कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों को कड़ी सजा मिली है। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी (सपा) को भी जल्द ही महिलाओं के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उनका इशारा उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की ओर था। करीब 50 मिनट के अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में इस साल के चुनाव खास रहे हैं, क्योंकि इससे पहले के चुनावों में हिंसा, भय और निर्दोष लोगों की मौत होती थी। उन्होंने कहा कि लेकिन इस बार खबर अलग थी, क्योंकि पश्चिम बंगाल में शांतिपूर्ण मतदान हुआ और ऐसा पहली बार हुआ कि मतदान के दौरान किसी की जान नहीं गई। मोदी ने कहा, ''बंगाल बदलाव के एक नये दौर में प्रवेश कर रहा है, मैं बंगाल की हर राजनीतिक पार्टी से एक अपील करना चाहता हूं। पिछले कई दशकों में बंगाल में राजनीतिक हिंसा के कारण अनगिनत लोग प्रभावित हुए हैं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि बंगाल की यह चुनावी संस्कृति आज से ही बदलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''आज जब भाजपा जीती है, तो बदला नहीं, बदलाव की बात होनी चाहिए। भय नहीं, भविष्य की बात होनी चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह भरोसे का दिन है। यह भारत के महान लोकतंत्र पर भरोसे का दिन है, (जनता के लिए) काम करने की राजनीति पर भरोसे का दिन है, स्थिरता के संकल्प पर भरोसे का दिन है, और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना पर भरोसे का दिन है।''

## पश्चिम बंगाल

| पार्टी | आगे | जीते | कुल (+/-) | 2021 |
|---|---|---|---|---|
| भाजपा | 0 | 206 | 206(129) | 77 |
| टीएमसी+ | 1 | 80 | 81(-134) | 215 |
| कांग्रेस | 0 | 2 | 2(2) | 0 |
| लेफ्ट | 0 | 2 | 2(1) | 1 |
| अन्य | 0 | 2 | 2(0) | 2 |

## असम

| पार्टी | आगे | जीते | कुल (+/-) | 2021 |
|---|---|---|---|---|
| भाजपा+ | 0 | 102 | 102(27) | 75 |
| कांग्रेस+ | 0 | 21 | 21(-29) | 50 |
| एआईयूडीएफ | 0 | 2 | 2(-14) | 16 |
| अन्य | 0 | 1 | 1(0) | 1 |

## तमिलनाडु

| पार्टी | आगे | जीते | कुल (+/-) | 2021 |
|---|---|---|---|---|
| टीवीके | 4 | 103 | 107(107) | 0 |
| अन्नाद्रमुक+ | 3 | 50 | 53(-22) | 75 |
| द्रमुक+ | 3 | 71 | 74(-85) | 159 |
| अन्य | 0 | 0 | 0(0) | 0 |

## केरल

| पार्टी | आगे | जीते | कुल (+/-) | 2021 |
|---|---|---|---|---|
| यूडीएफ | 0 | 102 | 102(62) | 40 |
| एलडीएफ | 0 | 35 | 35(-59) | 94 |
| भाजपा+ | 0 | 3 | 3(3) | 0 |
| अन्य | 0 | 0 | 0(-6) | 6 |

## पुडुचेरी

| पार्टी | आगे | जीते | कुल (+/-) | 2021 |
|---|---|---|---|---|
| एनडीए | 0 | 18 | 18(2) | 16 |
| कांग्रेस+ | 0 | 6 | 6(-2) | 8 |
| टीवीके+ | 0 | 3 | 3(3) | 0 |
| अन्य | 0 | 3 | 3(-3) | 6 |

## भाजपा की आंधी में एक दर्जन से अधिक हेवीवेट मंत्री और कई पुराने विधायकों की करारी शिकस्त

### बंगाल में दोहराया 2011 का इतिहास, तृणमूल के कई स्टार उम्मीदवार भी हारे

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य में भाजपा की आंधी में न सिर्फ मुख्यमंत्री बल्कि उनकी सरकार के एक दर्जन से अधिक हेवीवेट मंत्रियों और कई पुराने विधायकों को भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। 2011 में जिस तरह ममता की आंधी में वाममोर्चा सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य समेत अधिकांश मंत्रियों का सफाया हो गया था, ठीक उसी तरह का इतिहास बंगाल में दोहराया है। हारने वाले हे-वीवेट मंत्रियों में ममता के बेहद करीबी अरूप विश्वास से लेकर शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु तक शामिल हैं। इसके अलावा, वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य, मंत्री शशि पांजा, वरिष्ठ मंत्री मलय घटक व डॉ. मानस भुइयां, मंत्री शशि पांजा, मंत्री सुजीत बोस, परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती, मंत्री उदयन गुहा, वन मंत्री बीरबाहा हांसदा, मंत्री बंकिम चंद्र हाजरा, मंत्री बेचाराम मन्ना को करारी हार का सामना करना पड़ा है। विधानसभा उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी को भी हार का सामना करना पड़ा। राशन घोटाले में आरोपित पूर्व वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक और शिक्षक भर्ती घोटाले में बेटी को नौकरी दिलाने को लेकर विवादों में घिरे पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री परेश चंद्र अधिकारी को भी हार का सामना करना पड़ा। तृणमूल के कई स्टार उम्मीदवारों व मौजूदा विधायकों को भी करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिसमें बरानगर से अभिनेत्री सायंतिका बनर्जी, बैरकपुर से अभिनेता राज चक्रवर्ती, सोनारपुर दक्षिण से लवली मैत्रा, राजरहाट- गोपालपुर से गायिका अदिति मुंशी व अन्य शामिल हैं। मानिकतल्ला सीट से पूर्व मंत्री साधन पांडेय की बेटी अभिनेत्री श्रेया पांडेय को भी हार का सामना करना पड़ा।

### कुछ मंत्री सीट बचाने में रहे कामयाब

वहीं, कुछ वरिष्ठ मंत्री अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे। जिसमें कोलकाता के मेयर व मंत्री फिरहाद हकीम, कृषि व संसदीय कार्य मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय, खाद्य मंत्री रथिन घोष, अरूप राय, जावेद खान, बिप्लब मित्रा, पुलक राय, चंद्रनाथ सिन्हा शामिल हैं।

## 'सरकारी ऑफिस से न हटाए जाएं कोई डॉक्यूमेंट या फाइल'

### ममता की हार के बाद मुख्य सचिव का फरमान

### उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

**कोलकाता, समाज्ञा :** विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच राज्य प्रशासन ने एक अत्यंत संवेदनशील फैसला लिया। मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला ने सोमवार को एक सख्त आदेश जारी करते हुए सभी सरकारी विभागों को फाइलों और दस्तावेजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि किसी भी स्थिति में कार्यालयों से महत्वपूर्ण कागज या फाइलें बाहर नहीं जानी चाहिए। सरकार की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, अब कोई भी सरकारी फाइल न तो हटाई जा सकेगी और न ही उसे किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाया जा सकेगा। इसके साथ ही, सरकारी दस्तावेजों की बिना अनुमति के फोटोकॉपी करने या उन्हें स्कैन करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मुख्य सचिव ने कहा है कि हर एक फाइल और सरकारी पत्राचार का उचित हिसाब रखना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इन नियमों का पालन कराने की सीधी जिम्मेदारी विभाग के प्रमुखों और सचिवों की होगी। यदि भविष्य में किसी भी फाइल के गायब होने या नियमों के उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है, तो संबंधित उच्च अधिकारी की व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी।

### दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए नवान्न में तैनात हुई सीआरपीएफ

दूसरी तरफ, चुनाव आयोग ने राज्य सचिवालय नवान्न सहित सभी महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों में केंद्रीय बलों की तैनाती का कड़ा आदेश जारी किया है। सोमवार की दोपहर को नवान्न, राइटर्स बिल्डिंग, विकास भवन और खाद्य भवन जैसे प्रमुख केंद्रों पर सीआरपीएफ की क्विक रिस्पांस टीमें क्यूआरटी पहुंच गईं, जिनका मुख्य उद्देश्य सरकारी दस्ता-वेजों को नष्ट होने या चोरी होने से बचाना है। सचिवालयों में सुरक्षा इतनी सख्त है कि बाहर निकलने वाले कर्मचारियों के बैग की तलाशी ली गई ताकि कोई भी फाइल बाहर न जा सके।

### ममता का किला ढहा, भवानीपुर में खिला कमल

## शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता को दी शिकस्त, नंदीग्राम में भी जीत दर्ज

### यह जीत हिंदुत्व की जीत है : शुभेंदु अधिकारी

**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल की राजनीति में आज एक ऐतिहासिक अध्याय लिखा गया। भाजपा के कद्दावर नेता शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर विधानसभा सीट पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को करारी शिकस्त दी है। अपनी जीत के बाद विजय प्रमाण पत्र दिखाते हुए शुभेंदु ने इसे बंगाल की राजनीति का टर्निंग पॉइंट बताया। उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि ममता बनर्जी की राजनीतिक पारी अब समाप्त हो चुकी है। शुभेंदु अधिकारी ने अपनी जीत के आंकड़ों को साझा करते हुए कहा कि यह जीत बहुत महत्वपूर्ण थी। ममता बनर्जी को हराना अनिवार्य था। यह राजनीति से ममता बनर्जी का संन्यास है। इस बार भी वह 15,000 से अधिक मतों से हार गईं। मतदान के पैटर्न पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुस्लिमों ने उनके लिए खुलकर वोट किया। वार्ड नंबर 77 में सभी मुस्लिम मतदाताओं ने ममता को वोट दिया। वहीं हिंदुओं, सिखों, जैनों और बौद्धों ने मुझे आशीर्वाद दिया और जिताया। शुभेंदु ने इस जीत को विचारधारा की जीत बताते हुए कहा कि यह जीत हिंदुत्व की जीत है। सीपी-ीआईएम के कट्टर समर्थकों ने भी मुझे वोट दिया। भवानीपुर में सीपीएम के 13,000 वोट थे, जिनमें से कम से कम 10,000 वोट मुझे ट्रांसफर हुए। मैं इसके लिए सीपीएम मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने दावा किया कि बंगाली हिंदुओं के साथ-साथ गुजराती, जैन, मारवाड़ी, पूर्वांचली और सिख समुदाय ने उन्हें खुलकर समर्थन दिया है। शुभेंदु ने बताया कि अमित शाह ने मुझे दो-तीन बार फोन किया था। वह भवानीपुर को लेकर चिंतित थे। मैंने उन्हें पहले ही आश्वस्त कर दिया था। फोन इस्तेमाल करने की अनुमति न होने के कारण मैं बात नहीं कर पाया था, लेकिन अब उन्हें जानकारी दूंगा। वह इंतजार कर रहे हैं। अभी मुझे नंदीग्राम का प्रमाण पत्र भी लेना है।

# सत्ता, संदेश और बदलती राजनीति का तीखा सच



डॉ. घनश्याम बादल

पांच महत्वपूर्ण राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी के ताज़ा विधानसभा चुनाव परिणाम केवल सरकारों के गठन या पतन की कहानी नहीं हैं, बल्कि ये भारतीय लोकतंत्र की बदलती मानसिकता, मतदाता की परिपक्वता और राजनीति के नए समीकरणों का जीवंत दस्तावेज हैं। इन चुनावों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि अब सत्ता केवल परंपरा, भावनाओं या जातीय समीकरणों के भरोसे नहीं चल सकती; जनता परिणाम चाहती है, विकल्प खोजती है और समय आने पर सत्ता को बेदखल करने में हिचकती नहीं।

पश्चिम बंगाल के परिणाम केवल एक राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि एक लंबे समय से पनप रहे असंतोष का विस्फोट है। वर्षों से स्थापित सत्ता के खिलाफ जनता के भीतर जो नाराजगी थी, वह इस बार निर्णायक रूप से बाहर आई। प्रशासनिक पक्षपात, कथित भ्रष्टाचार, स्थानीय स्तर पर सत्ता के केंद्रीकरण और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दों ने मतदाता को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। दूसरी ओर, विपक्ष ने केवल विरोध नहीं किया बल्कि बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया, मतदाता से सीधा संवाद स्थापित किया और एक वैकल्पिक राजनीतिक कथा गढ़ी। यह जीत केवल एक दल की नहीं, बल्कि उस रणनीति की है जिसमें संगठन, विचार और मौके की सही पहचान का संगम हुआ। हालांकि अब इन चुनाव परिणाम की सच्चाई से बचने के लिए विपक्ष एस आइ आर, केंद्र द्वारा प्रशासनिक मशीनरी एवं सीबीआई तथा ई डी जैसे संस्थानों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाएगा। लेकिन बेहतर हो कि अभी तक सट्टा रोड दल उन मुद्दों पर गौर करें जिनकी वजह से बंगाल की जनता में असंतोष पनप और गलत संदेश गया।

असम में तस्वीर थोड़ी अलग है यहां सत्ता विरोध की लहर को वहां के सत्तारूढ़ नेतृत्व ने कुंद कर दिया। आमतौर पर भारतीय राजनीति में यह देखा जाता है कि लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारें एंटी-इनकंबेंसी की शिकार हो जाती हैं, लेकिन असम में ऐसा नहीं हुआ। इसका कारण है नेतृत्व की स्पष्टता, योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन और पहचान की राजनीति का संतुलित उपयोग। सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं को केवल कागज़ों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें मतदाता के जीवन से जोड़ा। इसके साथ ही, विपक्ष की कमजोर रणनीति और बिखराव ने सत्ता पक्ष के लिए राह और आसान कर दी। यह परिणाम बताता है कि यदि नेतृत्व मजबूत हो और योजनाएं जमीन पर दिखें, तो एंटी-इनकंबेंसी को हराया जा सकता है।

**विश्लेषण: पांच राज्यों के चुनाव परिणाम:**

पुडुचेरी का जनादेश छोटे राज्य का बड़ा संकेत है। यहां मतदाता ने स्थिरता को प्राथमिकता दी। गठबंधन की राजनीति का सफल प्रयोग यह दिखाता है कि जब स्थानीय नेतृत्व और राष्ट्रीय समर्थन का संतुलन बनता है, तब परिणाम अनुकूल हो सकते हैं। विपक्ष यहां एक स्पष्ट वैकल्पिक दृष्टि देने में विफल रहा। नतीजा यह हुआ कि मतदाता ने प्रयोग करने के बजाय स्थायित्व को चुना। यह संकेत पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है कि गठबंधन तभी सफल होता है जब उसमें स्पष्ट नेतृत्व और साझा एजेंडा हो।

अब केरल के परिणाम सत्ता के चक्र को दर्शाते हैं। यहां मतदाता ने फिर सिद्ध किया कि कोई भी दल सत्ता को स्थाई डेरा न समझे। लंबे समय तक शासन करने के बाद स्वाभाविक प्रमाद और नीतिगत असंतोष ने सरकार के खिलाफ माहौल बनाया। कांग्रेस ने इस अवसर को पहचाना, अपने संगठन को पुनर्गठित किया और जमीनी स्तर पर प्रभावी अभियान चलाया। इसके अलावा, राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का चरित्र ऐसा है कि मतदाता संतुलन बनाए रखना चाहता है। यह परिणाम कांग्रेस के लिए राहत का संकेत है, लेकिन स्थायी पुनरुत्थान का प्रमाण नहीं, बल्कि एक अवसर है जिसे उसे आगे भी साबित करना होगा।

तमिलनाडु का जनादेश इन सभी राज्यों में सबसे चौंकाने वाला और दूरगामी प्रभाव वाला है। दशकों से चली आ रही दो-दलीय राजनीति को मतदाता ने एक झटके में चुनौती दे दी। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति में बदलाव का संकेत है। जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अब विकल्प चाहती है, और यदि पारंपरिक दल उस विकल्प को देने में विफल रहते हैं, तो वह नए नेतृत्व को स्वीकार करने के लिए तैयार है। करिश्माई नेतृत्व, युवा मतदाताओं का समर्थन और परंपरागत दलों के प्रति उदासीनता इन तीनों ने मिलकर एक नई राजनीतिक ताकत को जन्म दिया। यह घटना केवल तमिलनाडु तक सीमित नहीं रहेगी; इसका असर अन्य राज्यों की राजनीति पर भी पड़ेगा, जहां लंबे समय से एक ही तरह की सत्ता संरचना बनी हुई है।

इन पांचों राज्यों के परिणामों को समग्र रूप से देखें तो एक स्पष्ट संदेश उभरता है- भारतीय मतदाता अब अधिक सजग, अधिक मांग करने वाला और अधिक निर्णायक हो चुका है। वह न तो केवल वादों से प्रभावित होता है और न ही केवल भावनात्मक अपील से। उसे ठोस काम चाहिए, स्पष्ट नेतृत्व चाहिए और विकल्प चाहिए। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, क्योंकि यह राजनीतिक दलों को जवाबदेह बनाता है।

राष्ट्रीय राजनीति के स्तर पर इन परिणामों का प्रभाव गहरा होगा। एक ओर जहां सत्तधारी दल इस इस परिणाम से उत्साहित होकर अगले वर्ष होने वाले उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव में भी जीत का परचम लहराने के लिए साम दाम दंड भेद का इस्तेमाल करेगा वहीं विपक्ष को भी यह संदेश मिला है कि यदि वह संगठित हो, रणनीति स्पष्ट रखे और जमीनी मुद्दों को उठाए, तो वह वापसी कर सकता है। साथ ही, क्षेत्रीय और नए दलों का उभार यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब बहुध्रुवीय होती जा रही है। यह प्रवृत्ति आने वाले लोकसभा चुनावों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना सकती है।

अस्तु ,कहना गलत नहीं होगा कि 2026 के ये चुनाव भारतीय लोकतंत्र के परिपक्वता चरण का संकेत हैं। यहां मतदाता ने सत्ता को संदेश दिया है- काम करो, वरना जाओ। यह संदेश जितना सरल है, उतना ही कठोर भी। अब राजनीति में टिके रहने के लिए केवल नारे नहीं, परिणाम देने होंगे; केवल चेहरे नहीं, विश्वसनीयता चाहिए होगी। यही इस जनादेश का सार है और यही भविष्य की राजनीति की दिशा भी तय करेगा।

-स्वतंत्र पत्रकार एवं राजनीतिक समीक्षक

# स्मार्ट, संवहनीय, बेजोड़: टेक्निकल टेक्सटाइल इस तरह बुन रहे हैं फुटवियर में भारत का भविष्य



गिरिराज सिंह

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्म-निर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है।

यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक ज़रूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो।

उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर 'नॉन-लेदर' (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है।

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद 'आराम' और 'बेहतर प्रदर्शन' होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को 'स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध' फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'स्मार्ट' फुटवियर' तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ-साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो 'आरामदायक' हों और 'देखने में भी सुन्दर' हों और यहीं पर 'तकनीकी वस्त्र' एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और 'बायोडिग्रेडेबल' फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, 'निर्बाध विनिर्माण' की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं।

इस बदलाव को और भी मज़बूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

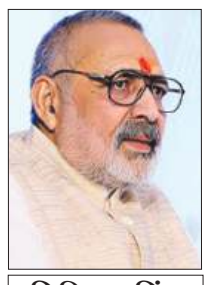

टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है। आगरा की यात्रा और दिल्ली में हुई चर्चाओं से एक सरल लेकिन प्रभावशाली अंतर्दृष्टि सामने आई-फुटवियर में टेक्निकल टेक्सटाइल कोई उभरती हुई अवधारणा नहीं है। वे पहले से ही इस उद्योग का हिस्सा हैं और चुपचाप फुटवियर उत्पादों को बनाने और तैयार करने में बेहतर योगदान कर रहे हैं।

आगे का काम इस एकीकरण को पहचानना, व्यवस्थित करना और इसका विस्तार करना है। फुटवियर क्षेत्र को टेक्निकल टेक्सटाइल्स इकोसिस्टम के दायरे में और ज़्यादा स्पष्ट रूप से लाने से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है, निर्यात बढ़ सकता है और उच्च गुणवत्ता वाले रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को वैश्विक मांग के रुझानों के साथ, खासकर नॉन-लेदर और परफॉर्मेंस-आधारित श्रेणियों में, तालमेल बिठाने में भी मदद मिल सकती है।

वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की भारत की यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पारंपरिक उद्योगों, उन्नत सामग्रियों और आधुनिक डिजाइन के संगम का कितनी प्रभावी ढंग से लाभ उठाता है। फुटवियर ऐसा ही एक संगम है। 'टेक्निकल टेक्सटाइल' वह सूत है जो इस अवसर को एक वैश्विक सफलता की कहानी में पिरोने में मदद कर सकता है।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। लेख में व्यक्त लेखक के निजी विचार हैं)

## बुजुर्गों के संकट को गंभीरता से ले सरकार

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं।

हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

## चीन में भारत के नए राजदूत ने गांधी और टैगोर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करके पदभार ग्रहण किया

**बीजिंग :** चीन में भारत के नए राजदूत विक्रम दुरईस्वामी ने सोमवार को महात्मा गांधी और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमाओं पर पुष्प अर्पित करके पदभार ग्रहण किया। दुरईस्वामी रविवार को बीजिंग पहुंचे, जहां वरिष्ठ चीनी व भारतीय अधिकारियों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्री विक्रम दुरईस्वामी ने चाओयांग पार्क में स्थित जिंताई कला संग्रहालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करके चीन में भारत के राजदूत के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस दौरान उनके साथ संग्रहालय के अधिकारी युआन शिकुन भी मौजूद थे। दूतावास ने बताया, राजदूत ने दूतावास में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को भी श्रद्धांजलि दी। साल 1992 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी दुरईस्वामी (56) ने प्रदीप कुमार रावत का स्थान लिया है। बीजिंग में तैनाती से पहले वह ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त रह चुके हैं।

## आज का पंचांग

**कोलकाता :** 5 मई, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष चतुर्थी, 31:52 तक, नक्षत्र : ज्येष्ठा, 12:47 तक, योग : शिव, 24:09 तक, सूर्योदय: 05:02, सूर्यास्त: 18:04, चन्द्रोदय : 22:04, चन्द्रास्त: 07:54, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 15:24 से 17:01

## राशिफल

**मेष :** आज का दिन आपको एक अहम सीख देगा। पैसा कमाना जितना जरूरी है, उसे संभालना उससे भी ज्यादा जरूरी है। खर्च बढ़ने के संकेत हैं, इसलिए दिखावे से दूर रहना ही समझदारी है।

**वृष :** आज आपकी कार्यकुशलता ही आपकी पहचान बनेगी। भाग्य पूरी तरह आपके पक्ष में है, इसलिए जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने के पूरे योग हैं।

**मिथुन :** आज का दिन आपको अपनी समझदारी और बुद्धि का सही इस्तेमाल करने का मौका देगा। आप ऐसे फैसले लेंगे, जो दूसरों को चौंका सकते हैं।

**कर्क :** आज आपकी आय के रास्ते खुलते नजर आएंगे, लेकिन मन में हल्का तनाव भी बना रह सकता है। परिवार में किसी मुद्दे को सुलझाने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है।

**सिंह :** आज का दिन आपको आगे बढ़ने का मौका देगा, लेकिन कुछ अचानक खर्च आपकी राह में रुकावट बन सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन को मजबूती मिलेगी।

**कन्या :** आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर खास ध्यान देना होगा, क्योंकि आपकी एक छोटी सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है। माता-पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा।

**तुला :** आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है। जो पैसा कहीं फंसा हुआ था, उसके वापस मिलने के योग हैं। बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है।

**वृश्चिक :** आज आपको अपनी बातों पर खास कंट्रोल रखना होगा, क्योंकि एक गलत शब्द रिश्तों में दरार डाल सकता है। किसी अजनबी की बातों में आकर निर्णय लेना नुकसान दे सकता है।

**धनु :** आज का दिन आपको अचानक लाभ देने वाला है। ऐसा कुछ मिल सकता है जिसकी आपने उम्मीद भी नहीं की थी। लेकिन अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी है।

**मकर :** आज का दिन मेहनत का है, और आपकी मेहनत ही आपकी सफलता की कुंजी बनेगी। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी और आप अपने साथी के साथ खूबसूरत पल बिताएंगे।

**कुम्भ :** आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। जो पैसा लंबे समय से अटका हुआ था, उसके मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी रिश्तेदार के घर किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

**मीन :** आज आपको अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, जो आपके मन को सुकून देगा। आपके दिमाग में नए-नए आइडिया आएंगे। कोई रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है।

# विदेश

## अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में मार्ग खोलने का दावा किया

**दुबई :** अमेरिकी सेना का कहना है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने के लिए मार्ग खोल दिया है, और इस संकरे जलमार्ग से आवागमन को प्रोत्साहित करने के लिए दर्जनों जहाजरानी कंपनियों से संपर्क किया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान के कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टरों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में असैन्य जहाजों को निशाना बना रही छह छोटी ईरानी नावों को डुबो दिया है। इस खबर ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्षविराम पर ताजा सवालिया निशान लगाया है।

## भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से भेंट की

**द्विपक्षीय संबंधों पर हुई चर्चा**

**ढाका :** बांग्लादेश में भारत के निवर्तमान उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने सोमवार को यहां विदेश मंत्री कहलिलुर रहमान से भेंट की जिसमें उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने की उम्मीद जतायी। भारतीय उच्चायोग की ओर से जारी बयान का हवाला देते हुये सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने अपनी खबरों में कहा है कि भारतीय उच्चायुक्त ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से ढाका में विदेश मंत्रालय में मुलाकात की । इसमें कहा गया है कि मुलाकात के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और भविष्य में दोनों देशों के बेहतर संबंधों को लेकर उम्मीद जतायी। सरकारी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों ने आपसी संबंधों को और अधिक मजबूत करने और आगे बढ़ाने पर भरोसा जताया । वर्मा ने भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया कि वह बांग्लादेश की जनता और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा ताकि दोनों देशों के विकास की प्राथमिकताओं और आपसी हित तथा लाभ के आधार पर सभी क्षेत्रों में जन केंद्रित सहयोग को और मजबूत किया जा सके। एजेंसी की खबरों में कहा गया है कि रहमान ने 21 सितंबर, 2022 को बांग्लादेश में उच्चायुक्त का पद संभालने वाले वर्मा का धन्यवाद किया और उनके कार्यकाल के दौरान दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की तथा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

## वर्ग पहेली नं. 3429

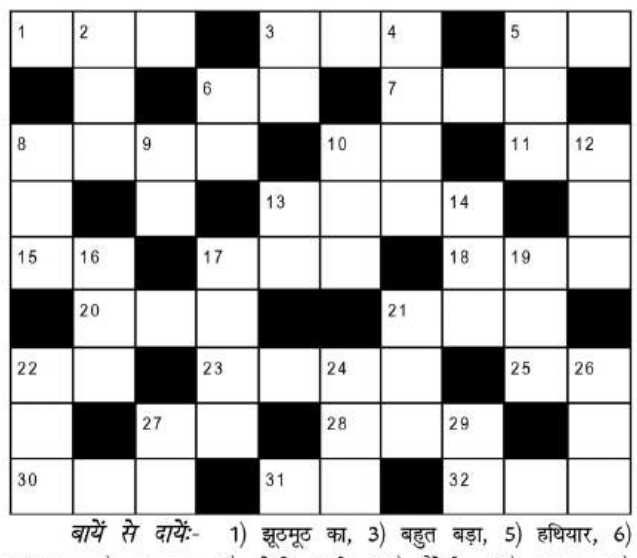



*बायें से दायें:-* 1) झूठमूठ का, 3) बहुत बड़ा, 5) हथियार, 6) साधारण, 7) दफ़नाना, 8) छोटी थाली, 10) वैदेही, 11) जगह, 13) बुरा लगना, 15) हानि, 17) दिवास्वप्न, 18) पापी, 20) बेलन का साथी, 21) व्याकुल, 22) बीज डालना, 23) ओढ़नी, 25) ठिंगना, 27) उन्माद, 28) विवाहविच्छेद, 30) उलझाना, 31) लहू, 32) शांत करना *(क्रोध)*.

*ऊपर से नीचे:-* 2) निकट, 3) प्रस्थान, 4) अनवरत, 5) उदासीनता, 6) एक ज़नाना परिधान, 8) तक, 9) हत्या, 10) पढ़नालिखना, 12) उपहार, 13) थोड़ा, 14) घिनौना, 16) बंद करना *(आँखें)*, 17) एक मिठाई, 19) रगड़ना, 21) बहुत कम मिलनेवाला, 22) भारी, 24) मातृभूमि; स्वदेश, 26) स्थगित करना, 27) रोका गया, 29) ऊँचाई.

*(उत्तर: अगले अंक में)*

*पिछली पहेली का उत्तर*

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| च | ट | प | टा | ■ | बे | म | त | ल | ब |
| र्म | ■ | ह | ल | वा | ई | ■ | भी | ड़ | ■ |
| ■ | आ | लू | ■ | ■ | मा | स | ■ | का | म |
| सि | वा | ■ | र | ज | नी | मु | खा | ■ | ल |
| ■ | ग | वा | ह | ■ | ■ | चि | ■ | मा | या |
| ■ | म | द | न | ■ | स | त | त | ■ | ल |
| आ | न | ■ | स | न्ना | टा | ■ | मा | लू | म |
| रो | ■ | आ | ह | ■ | स | ही | ■ | ट | ■ |
| प | रे | शा | न | ■ | ट | न | ट | ना | ना |

*Mob. No. 08329510310*

## सुडोकू-पहेली-3387

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | 4 | | | | 7 | 2 | 8 |
| | | 2 | | | | | | 5 |
| | 6 | | | | | | | |
| | | 7 | 1 | | | 2 | | |
| | | | | 3 | 4 | | 9 | |
| | | | 6 | | 8 | | | |
| | | | 2 | | | | | |
| 1 | | | | | | 9 | | 6 |
| 8 | 4 | | | | 1 | | | |

**प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।**

••••

**आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।**

**सूडोकू पहेली - 3386 का उत्तर**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 6 | 8 | 3 | 1 | 7 | 2 | 9 | 4 |
| 4 | 3 | 9 | 6 | 2 | 5 | 1 | 8 | 7 |
| 7 | 2 | 1 | 4 | 9 | 8 | 3 | 6 | 5 |
| 9 | 1 | 2 | 5 | 3 | 6 | 4 | 7 | 8 |
| 6 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 9 | 2 | 3 |
| 8 | 4 | 3 | 9 | 7 | 2 | 6 | 5 | 1 |
| 2 | 9 | 5 | 7 | 4 | 3 | 8 | 1 | 6 |
| 1 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 3 | 8 | 6 | 2 | 5 | 1 | 7 | 4 | 9 |

# सत्ता–समर चुनाव–2026

पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते हावड़ा - भाजपा समर्थक

कोलकाता में पार्टी कार्यालय के सामने बीजेपी कार्यकर्ता झालमुड़ी और मिठाइयों के साथ जश्न मनाते

बालुरघाट- भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक समर्थक का शंखनाद

बालुरघाट सीट से जीत के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने विजय चिन्ह दिखाया

सीईओ कार्यालय स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष से मतगणना केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और कानून–व्यवस्था की स्थिति की निगरानी करते

विजय चिन्ह दिखाते खड़गपुर सदर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष

## मंत्री शशि पांजा को पूर्णिमा चक्रवर्ती ने दी शिकस्त

विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की मंत्री शशि पांजा को भाजपा की पूर्णिमा चक्रवर्ती ने 14,633 मतों के अंतर से हरा दिया है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर कोलकाता के श्यामपुकुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार को 60,248 वोट मिले, जबकि पांजा को 45,615 मत मिले। श्यामपुकुर सीट से 2011 से तीन बार विधायक रह चुकीं पांजा 2013 से ममता बनर्जी सरकार में मंत्री हैं और उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों का प्रभार संभाला है।

## 'मुझे लात मारी गई, सीसीटीवी बंद कर एजेंटों को रोका'

**कोलकाता, समाज्ञा :** विधानसभा चुनाव के नतीजों में पिछड़ने के बाद तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी पार्टी इस हार से घबराने वाली नहीं है और वे जोरदार वापसी करेंगे। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी हैं। चुनाव आयोग अब भाजपा का कमीशन बन चुका है। मैंने इस संबंध में चुनाव अधिकारी और मनोज अग्रवाल से भी शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। ममता ने मतगणना के दौरान गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दोपहर 3 बजे से उनके कार्यकर्ताओं को पीटा गया और उनके साथ बदसलूकी करते हुए उन्हें लात मारी गई। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मतगणना केंद्र के सीसीटीवी बंद कर दिए गए और उनके एजेंटों को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया गया।

## 2021 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 2026 के चुनावों में कांग्रेस ने दो सीट जीतीं

**कोलकाता, समाज्ञा :** राज्य में 2021 में हुए विधानसभा चुनावों में अपना खाता तक खोल पाने में नाकाम रही कांग्रेस ने 2026 के चुनाव में दो सीट पर जीत हासिल की है। सोमवार को घोषित नतीजों के मुताबिक, फरक्का और रानीनगर विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवार विजयी हुए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, फरक्का में कांग्रेस उम्मीदवार मोताब शेख ने अपने निकटम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार सुनील चौधरी को 8,193 मतों के अंतर से हराया। क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी अमीरुल इस्लाम तीसरे स्थान पर रहे। आयोग के मुताबिक, शेख को कुल 63,050 वोट हासिल हुए, जबकि चौधरी को 54,857 वोट और इस्लाम को 47,256 वोट मिले। निर्वाचन आयोग के अनुसार, रानीनगर में

कांग्रेस उम्मीदवार जुल्फिकार अली ने तृणमूल प्रत्याशी सौमिक हुसैन को 2,701 मतों के अंतर से हराया। आयोग ने बताया कि कड़े मुकाबले में अली को 79,423 वोट मिले, जबकि हुसैन को 76,722 मत हासिल हुए। रानीगंज में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का उम्मीदवार तीसरे और भाजपा प्रत्याशी चौथे स्थान पर रहा।

### लोकसभा के बाद दिग्गज कांग्रेस नेता अधीर चौधरी विधानसभा चुनाव में भी हारे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर सीट पर भाजपा के सुब्रत मैत्रा के हाथों सोमवार को 17,548 मतों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मैत्रा ने यह सीट बरकरार रखते हुए 91,088 मत हासिल किए, जबकि चौधरी को 73,540 मत मिले। यह चौधरी की अपने गृहनगर में दो वर्षों के भीतर लगातार दूसरी हार है। इससे पहले, 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें क्रिकेटर से नेता बने एवं तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार यूसुफ पठान ने हराया था, जिसमें वह (चौधरी) लंबे समय से अपने कब्जे वाली बहरामपुर संसदीय सीट को बड़े अंतर से गंवा बैठे थे।

## विजय ओझा ने 5,797 वोटों से जीत हासिल की

जोड़ासांको विधानसभा सीट पर हुए रोमांचक चुनावी मुकाबले में भाजपा उम्मीजवार विजय ओझा ने जीत हासिल की, जबकि टीएमसी उम्मीदवार विजय उपाध्याय को हार का सामना करना पड़ा। विजेता उम्मीदवार विजय ओझा को कुल 52,868 वोट मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी विजय उपाध्याय को 47,071 वोट प्राप्त हुए। जीत का अंतर 5,797 वोट रहा।

भाजपा की जीत का जश्न मनाते रामकिशन बहेती व राकेश सिंह

## आरजी कर दुष्कर्म पीड़िता की मां बनीं विधायक, पानीहाटी सीट पर जीता चुनाव

**कोलकाता, समाज्ञा :** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या का शिकार हुईं मेडिकल छात्रा की मां रत्ना देबनाथ अब विधायक बन गई हैं। रत्ना देबनाथ ने पानीहाटी विधानसभा सीट पर बीजेपी के टिकट पर जीत हासिल की हैं। उन्होंने निकटम प्रतिद्वंदी तृणमूल कांग्रेस के तीर्थंकर घोष को हराया है। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने मीडिया कर्मियों को विक्ट्री निशाना दिखाया। पानीहाटी सीट पर चुनाव जीतने के बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज की दुष्कर्म पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ ने कहा कि मेरी बेटी केवल मेरी नहीं, बल्कि पूरे देश की बेटी थी। पूरी दुनिया पानीहाटी को देख रही थी। मेरी लड़ाई यहीं खत्म नहीं होती है। जब तक मैं जिंदा हूं, मैं अपनी लड़ाई जारी रखूंगी। यह केस अभी कोर्ट में चल रहा है। मेरी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि यह नये विचारों की लड़ाई है।

## हुमायूं कबीर ने नोउदा और रेजीनगर दोनों सीटों पर दर्ज की जीत

**कोलकाता, समाज्ञा :** आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के प्रमुख हुमायूं कबीर ने सोमवार को मुर्शिदाबाद जिले में नोउदा और रेजीनगर दोनों सीटों पर जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। कबीर ने अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी भाजपा के राणा मंडल को 27,943 वोटों से हराकर नवादा सीट पर जीत दर्ज की। कबीर को 86,463 वोट मिले और मंडल को 58,520 वोट प्राप्त हुए। तृणमूल की सईना मुमताज खान 51,867 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं, रेजीनगर में हुमायूं ने भाजपा के बापन घोष को 58,876 वोटों से हराया। कबीर को 1,23,536 वोट मिले और घोष को 64,660 वोट प्राप्त हुए। इस सीट पर भी तृणमूल के अताउर रहमान 41,718 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कबीर ने बताया कि मुर्शिदाबाद के लोगों का मैं शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मेरे साथ हुए अन्याय और ममता बनर्जी सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के साथ किए जा रहे भेदभाव का जवाब दिया। यह जीत और भी ज्यादा हौसला बढ़ाने वाली है क्योंकि अभी सिर्फ चार महीने पहले ही हमारी पार्टी की स्थापना हुई थी।

### माकपा ने खाता खोला, डोमकल सीट पर जीत दर्ज

**कोलकाता, समाज्ञा :** मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक सीट पर जीत दर्ज की। माकपा ने मुर्शिदाबाद जिले की डोमकल सीट जीती। इससे पहले, 2021 के राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी अपना खाता नहीं खोल पाई थी। मोहम्मद मुस्ताफिजुर रहमान ने तृणमूल के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 16,296 वोटों से हराया। बता दें कि वाम मोर्चा 2021 के विधानसभा चुनाव और 2019 व 2024 के लोकसभा चुनावों में भी पश्चिम बंगाल से एक भी सीट जीतने में असफल रहा था।



पूर्वी बर्दवान - वोटों की गिनती के दौरान इगझ समर्थक पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते



नदिया - वोटों की गिनती के दौरान इगझ समर्थक पार्टी की बढ़त का जश्न मनाते

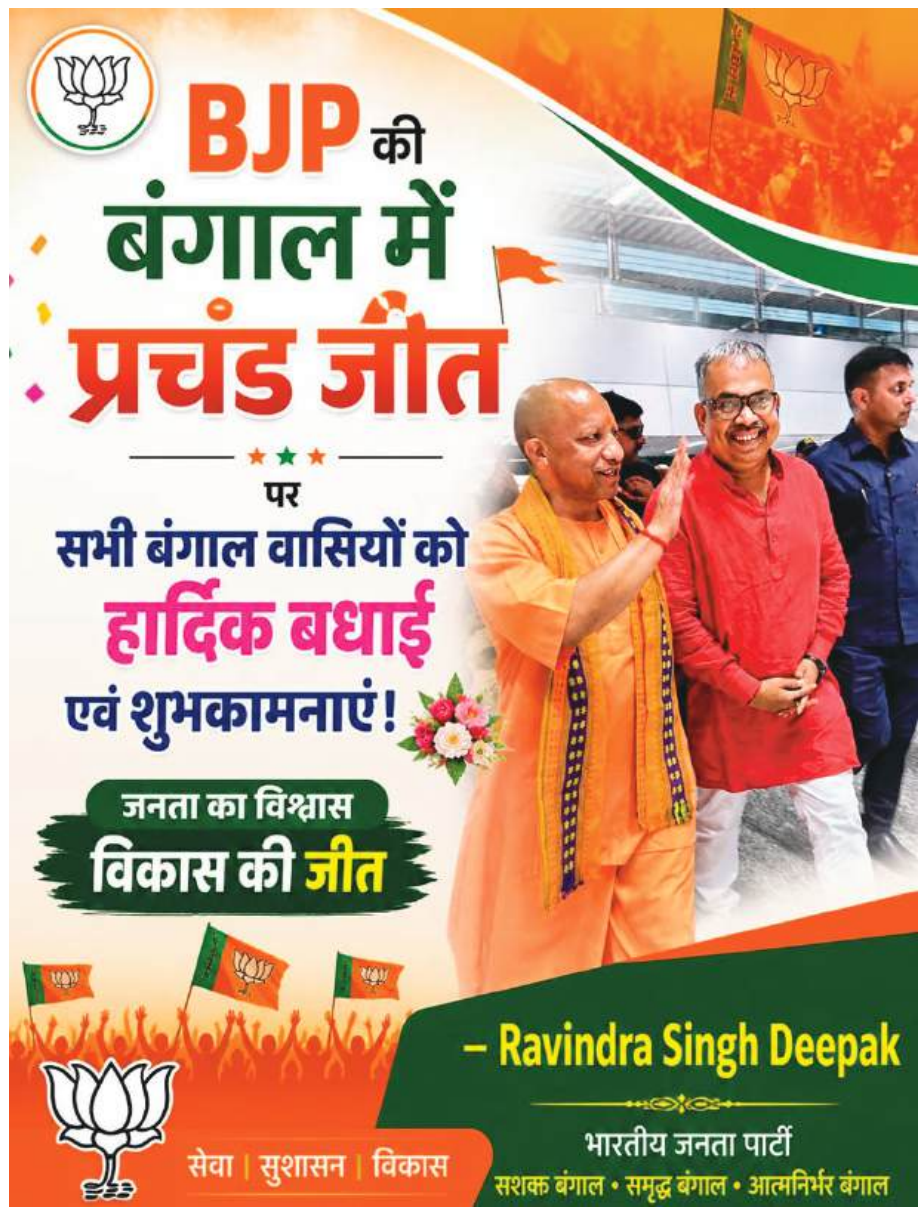

| संख्या | विधानसभा क्षेत्र | विजयी उम्मीदवार | पार्टी | मार्जिन |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मेखलीगंज | दधिराम राय | भाजपा | 29,584 |
| 2 | माथाभांगा | निशिथ प्रामाणिक | भाजपा | 57,090 |
| 3 | कूचबिहार उत्तर | सुकुमार राय | भाजपा | 70,384 |
| 4 | कूचबिहार दक्षिण | रथिंद्र बोस | भाजपा | 23,284 |
| 5 | सीतलकुची | सावित्री बर्मन | भाजपा | 25,278 |
| 6 | सिताई | संगीता रॉय | टीएमसी | 2721 |
| 7 | दिनहाटा | अजय राय | भाजपा | 17,447 |
| 8 | नाटाबाड़ी | गिरिजा शंकर राय | भाजपा | 34,613 |
| 9 | तूफानगंज | मालती रावा रॉय | भाजपा | 26,457 |
| 10 | कुमारग्राम | मनोज कुमार ओरांव | भाजपा | 52,877 |
| 11 | कालचीनी | विशाल लामा | भाजपा | 37,843 |
| 12 | अलीपुरद्वार | परितोष दास | भाजपा | 70,420 |
| 13 | फलाकाटा | दीपक बर्मन | भाजपा | 45,999 |
| 14 | मदारीहाट | लक्ष्मण लिंबू | भाजपा | 40,910 |
| 15 | धुपगुड़ी | नरेश रॉय | भाजपा | 38,550 |
| 16 | मैनागुड़ी | डालिम चंद्र रॉय | भाजपा | 56,503 |
| 17 | जलपाईगुड़ी | अनंत देब अधिकारी | भाजपा | 68,805 |
| 18 | राजगंज | दिनेश सरकार | भाजपा | 21,477 |
| 19 | डाबग्राम-फुलबाड़ी | सिखा चटर्जी | भाजपा | 97,715 |
| 20 | मल | सुकरा मुंडा | भाजपा | 15,492 |
| 21 | नागराकाटा | पुना भेंगरा | भाजपा | 25,858 |
| 22 | कलिम्पोंग | भारत कुमार छेत्री | भाजपा | 21,464 |
| 23 | दार्जिलिंग | नोमन राय | भाजपा | 6,057 |
| 24 | कार्सियांग | सोनम लामा | भाजपा | 17,007 |
| 25 | माटीगाड़ा-नक्सलबाड़ी | आनंदमय बर्मन | भाजपा | 1,04,265 |
| 26 | सिलीगुड़ी | शंकर घोष | भाजपा | 73,192 |
| 27 | फांसीदेवा | दुर्गा मुर्मू | भाजपा | 45,263 |
| 28 | चोपड़ा | हमीदुल रहमान | टीएमसी | 69,124 |
| 29 | इस्लामपुर | अग्रवाल कनैया लाल | टीएमसी | 40,063 |
| 30 | गोलपोखर | मो. गुलाम रब्बानी | टीएमसी | 83,790 |
| 31 | चाकुलिया | आज़ाद मिन्हाजुल अरफिन | टीएमसी | 28,011 |
| 32 | करणदिघी | बिरज बिस्वास | भाजपा | 19,869 |
| 33 | हेमताबाद | हरिपद बर्मन | भाजपा | 12,361 |
| 34 | कालियागंज | उत्पल ब्रह्मचारो | भाजपा | 76,425 |
| 35 | रायगंज | कौशिक चौधरी | भाजपा | 58,641 |
| 36 | इटाहार | मोसरफ हुसैन | टीएमसी | 27,878 |
| 37 | कुशमंडी | तापस चंद्र रॉय | भाजपा | 9,063 |
| 38 | कुमारगंज | तोराफ हुसैन मंडल | टीएमसी | 66,85 |
| 39 | बालुरघाट | विद्युत कुमार रॉय | भाजपा | 47,576 |
| 40 | तपन | बुधराय टुडू | भाजपा | 36,987 |
| 41 | गंगारामपुर | सत्येन्द्र नाथ रॉय | भाजपा | 28,339 |
| 42 | हरिरामपुर | बिप्लब मित्र | टीएमसी | 1,986 |
| 43 | हबीबपुर | जोयल मुर्मू | भाजपा | 78,188 |
| 44 | गाजोल | चिन्मय देब बर्मन | भाजपा | 38,192 |
| 45 | चांचल | प्रसून बनर्जी | टीएमसी | 63,874 |
| 46 | हरिश्चंद्रपुर | मो. मतिबुर रहमान | टीएमसी | 48,271 |
| 47 | मालतीपुर | अब्दुर्रहीम बॉक्सी | टीएमसी | 59,747 |
| 48 | रतुआ | समर मुखर्जी | टीएमसी | 32,562 |
| 49 | मानिकचक | गौर चंद्र मंडल | भाजपा | 13,938 |
| 50 | मालदह | गोपाल चंद्र साहा | भाजपा | 50,128 |
| 51 | इंग्लिश बाजार | अमलान भादुड़ी (ब्यूरो) | भाजपा | 93,784 |
| 52 | मोथाबाड़ी | इस्लाम मो नजरूल | टीएमसी | 10,496 |
| 53 | सुजापुर | सबीना यास्मीन | टीएमसी | 60,287 |
| 54 | बैष्णवनगर | राजू कर्मकार | भाजपा | 46,881 |
| 55 | फरक्का | मोताब शेख | कांग्रेस | 8,193 |
| 56 | समसेरगंज | मोहम्मद नूर आलम | टीएमसी | 7,587 |
| 57 | सुती | ईमानी बिश्वास | टीएमसी | 12,357 |
| 58 | जंगीपुर | चित्त मुखर्जी | भाजपा | 10,542 |
| 59 | रघुनाथगंज | अखुजमां | टीएमसी | 40,555 |
| 60 | सागरदिघी | बायरन बिस्वास | टीएमसी | 34,260 |
| 61 | लालगोला | अब्दुल अज़ीज़ डॉक्टर | टीएमसी | 18,960 |
| 62 | भगवानगोला | रेयात हुसैन सरकार | टीएमसी | 56,407 |
| 63 | रानीनगर | जुल्फ़िकार अली | कांग्रेस | 2,701 |
| 64 | मुर्शिदाबाद | गौरी शंकर घोष | भाजपा | 31,521 |
| 65 | नवग्राम | दिलीप साहा | भाजपा | 5,919 |
| 66 | खड़ग्राम | मिताली माल | भाजपा | 9,333 |
| 67 | बुरवान | सुखेन कुमार बागड़ी | भाजपा | 22,300 |
| 68 | कांदी | गार्गी दास घोष | भाजपा | 10,335 |
| 69 | भरतपुर | मुस्तफिजुर रहमान (सुमन) | टीएमसी | 30,753 |
| 70 | रेजीनगर | हुमायू कबीर | एजेयूपी | 58,876 |
| 71 | बेलडांगा | भरत कुमार झावर | भाजपा | 13,208 |
| 72 | बहरामपुर | सुब्रत मैत्र (कंचन) | भाजपा | 17,548 |
| 73 | हरिहरपाड़ा | नियामत शेख | टीएमसी | 12,665 |
| 74 | नोउदा | हमायू कबीर | एजेयूपी | 27,943 |
| 75 | डोमकल | मो. मुस्तफिजुर रहमान | माकपा | 16,296 |
| 76 | जलंगी | बाबर अली | टीएमसी | 21,516 |
| 77 | करीमपुर | समरेंद्रनाथ घोष | भाजपा | 10,185 |
| 78 | तेहट्टा | सुब्रत कबीराज | भाजपा | 28,253 |
| 79 | पलाशीपाड़ा | रुकबानुर रहमान | टीएमसी | 11,454 |
| 80 | कालीगंज | अलिफ़ा अहमद | टीएमसी | 10,172 |
| 81 | नकाशीपाड़ा | शांतनु दे | भाजपा | 17,327 |
| 82 | चापड़ा | जेबर शेख | टीएमसी | 30,780 |
| 83 | कृष्णानगर | उत्तर तारक नाथ चटर्जी | भाजपा | 78,361 |
| 84 | नवद्वीप | श्रुतिशेखर गोस्वामी | भाजपा | 21,444 |
| 85 | कृष्णानगर दक्षिण | साधन घोष | भाजपा | 27,801 |
| 86 | शांतिपुर | स्वपन कुमार दास | भाजपा | 45,376 |
| 87 | राणाघाट उत्तर पश्चिम | पार्थ सारथी चटर्जी (बाबू) | भाजपा | 57,551 |
| 88 | कृष्णागंज | सुकांत बिस्वास | भाजपा | 60,899 |
| 89 | राणाघाट उत्तर पूर्व | अशीम बिस्वास | भाजपा | 51,743 |
| 90 | राणाघाट दक्षिण | अशीम कुमार बिस्वास | भाजपा | 64,464 |
| 91 | चकदह | बंकिम चंद्र घोष | भाजपा | 36,945 |
| 92 | कल्याणी | अनुपम बिश्वास | भाजपा | 34,792 |
| 93 | हरिणघाटा | असीम कुमार सरकार | भाजपा | 22,055 |
| 94 | बागदा | सोमा ठाकुर | भाजपा | 34,616 |
| 95 | बनगांव उत्तर | अशोक कीर्तनिया | भाजपा | 40,670 |
| 96 | बनगांव दक्षिण | स्वपन मजूमदार | भाजपा | 37,814 |
| 97 | गायघाटा | सुब्रत ठाकुर | भाजपा | 47,683 |
| 98 | स्वरूपनगर | बीना मंडल | टीएमसी | 16,017 |
| 99 | बादुरिया | बुरहानुल मुकद्दिम (लिटन) | टीएमसी | 40,061 |
| 100 | हाबरा | देबदास मंडल | भाजपा | 31,462 |
| 101 | अशोकनगर | डॉ. सुमय हीरा | भाजपा | 9,408 |
| 102 | आमडांगा | मोहम्मद कासिम सिद्दीकी | टीएमसी | 2,995 |
| 103 | बीजपुर | सुदीप्त दास | भाजपा | 13,343 |
| 104 | नैहाटी | सुमित्रो चटर्जी | भाजपा | 10,430 |
| 105 | भाटपाड़ा | पवन कुमार सिंह | भाजपा | 22,807 |
| 106 | जगतदल | डॉ. राजेश कुमार | भाजपा | 20,909 |
| 107 | नोआपाड़ा | अर्जुन सिंह | भाजपा | 17,656 |
| 108 | बैरकपुर | कौस्तव बागची | भाजपा | 15822 15/15 |
| 109 | खड़दह | कल्याण चक्रवर्ती | भाजपा | 24,486 |
| 110 | दमदम उत्तर | सौरव सिकदर | भाजपा | 26,404 |
| 111 | पानीहाटी | रत्ना देबनाथ | भाजपा | 28,836 |
| 112 | कमरहट्टी | मदन मित्रा | टीएमसी | 5,646 |
| 113 | बारानगर | सजल घोष | भाजपा | 16,956 |
| 114 | दमदम | अरिजीत बख्शी | भाजपा | 25,273 |
| 115 | राजारहाट-न्यूटाउन | तापश चटर्जी | टीएमसी | बढ़त-323 |
| 116 | विधाननगर | शरदवत मुखर्जी | भाजपा | 37,330 |
| 117 | राजारहाट गोपालपुर | तरूणज्योति तिवारी | भाजपा | 27,757 |
| 118 | मध्यमग्राम | रथीन घोष | टीएमसी | 2,399 |
| 119 | बारासात | शंकर चटर्जी | भाजपा | 34,558 |
| 120 | देगंगा | अनीसुर रहमान विदेश | टीएमसी | 17,818 |
| 121 | हरोआ | अब्दुल मतीन मुहम्मद | टीएमसी | 49,341 |
| 122 | मिनाखां | उषा रानी मंडल | टीएमसी | 3,2292 |
| 123 | संदेशखाली | सनत सरदार | भाजपा | 17,510 |
| 124 | बशीरहाट दक्षिण | सुरजीत मित्रा (बादल) | टीएमसी | 9,544 |
| 125 | बशीरहाट उत्तर | मो. तौसीफुर रहमान | टीएमसी | 57,270 |
| 126 | हिंगलगंज | रेखा पात्रा | भाजपा | 5,421 |
| 127 | गोसाबा | बिकर्ना नास्कर | भाजपा | 16,100 |
| 128 | बासंती | नीलिमा मिस्त्री बिशाल | टीएमसी | 56,181 |
| 129 | कुलतली | गणेश चंद्र मंडल | टीएमसी | 59,276 |
| 130 | पाथरप्रतिमा | समीर कुमार जाना | टीएमसी | 4,873 |
| 131 | काकद्वीप | दीपांकर जाना | भाजपा | 4,760 |
| 132 | सागर | सुमंत मंडल | भाजपा | 7,881 |
| 133 | कुल्पी | बरनाली धारा | टीएमसी | 10,383 |
| 134 | रायदिघी | तापस मंडल | टीएमसी | 5,957 |
| 135 | मंदिरबाजार | जयदेब हलदर | टीएमसी | 1,995 |
| 136 | जयनगर | बिश्वनाथ दास | टीएमसी | 26,350 |
| 137 | बारुईपुर पूर्व | बिवास सरदार | टीएमसी | 31,815 |
| 138 | कैनिंग पश्चिम | परेश राम दास | टीएमसी | 40,665 |
| 139 | कैनिंग पूर्व | मो. बहारूल इस्लाम | टीएमसी | 91,954 |
| 140 | बारुईपुर पश्चिम | बिमान बनर्जी | टीएमसी | 17,862 |
| 141 | मगराहाट पूर्व | सरमिष्ठा पुरकैत | टीएमसी | 31,607 |
| 142 | मगराहाट पश्चिम | मो.. समीम अहमद मोल्ला | टीएमसी | 58,503 |
| 143 | डायमंड हार्बर | पन्ना लाल हलदर | टीएमसी | 31,266 |
| 145 | सतगछिया | अग्निश्वर नस्कर | भाजपा | 401 |
| 146 | बिष्णुपुर | दिलीप मंडल | टीएमसी | 36,925 |
| 147 | सोनारपुर दक्षिण | रूपा गांगुली | भाजपा | 35,782 |
| 148 | भांगड़ | मो. नौसाद सिद्दीकी | आईएसएफ | 32,088 |
| 149 | कस्बा | अहमद जावेद खान | टीएमसी | 20,974 |
| 150 | जादवपुर | सरबोरी मुखर्जी | भाजपा | 27,716 |
| 151 | सोनारपुर उत्तर | देबाशीष धर | भाजपा | 9,807 |
| 152 | टॉलीगंज | पापिया अधिकारी | भाजपा | 6,013 |
| 153 | बेहला पूर्व | शंकर सिकदर | भाजपा | 25,137 |
| 154 | बेहला पश्चिम | डॉ. इंद्रनील खान | भाजपा | 24,699 |
| 155 | महेशतला | सुभासिस दास | टीएमसी | 32,913 |
| 156 | बजबज | अशोक कुमार देब | टीएमसी | 46,850 |
| 157 | मटियाब्रुज | अब्दुल खलीक मोल्ला | टीएमसी | 87,879 |
| 158 | कोलकाता पोर्ट | फिरहाद हकीम | टीएमसी | 56,080 |
| 159 | भवानीपुर | शुभेंदु अधिकारी | भाजपा | 15,105 |
| 160 | रासबिहारी | दासगुप्ता स्वपन | भाजपा | 20,865 |
| 161 | बालीगंज | शोभनदेब चट्टोपाध्याय | टीएमसी | 61,476 |
| 162 | चौरंगी | नयना बंद्योपाध्याय | टीएमसी | 22,002 |
| 163 | इंटाली | संदीपन साहा | टीएमसी | 34,006 |
| 164 | बेलेघाटा | कुणाल कुमार घोष | टीएमसी | 28,576 |
| 165 | जोड़ासांको | विजय ओझा | भाजपा | 5,797 |
| 166 | श्यामपुकुर | पूर्णिमा चक्रवर्ती | भाजपा | 14,633 |
| 167 | मानिकतला | तापस रॉय | भाजपा | 15,644 |
| 168 | काशीपुर-बेलगछिया | रितेश तिवारी | भाजपा | 1,651 |
| 169 | बाली | संजय कुमार सिंह | भाजपा | 11,997 |
| 170 | हावड़ा उत्तर | उमेश राय | भाजपा | 11,250 |
| 171 | हावड़ा मध्य | अरूप रॉय | टीएमसी | 16,083 |
| 172 | शिवपुर | रुद्रनील घोष | भाजपा | 16,058 |
| 173 | हावड़ा दक्षिण | नंदिता चौधरी | टीएमसी | 7,828 |
| 174 | संकराइल | प्रिया पॉल | टीएमसी | 16,740 |
| 175 | पांचला | गुलसन मलिक | टीएमसी | 38,320 |
| 176 | उलुबेरिया पूर्व | रिताब्रता बनर्जी | टीएमसी | 11,838 |
| 177 | उलूबेरिया उत्तर | चिरन बेरा | भाजपा | 4,177 |
| 178 | उलूबेरिया दक्षिण | पुलक रॉय | टीएमसी | 17,187 |
| 179 | श्यामपुर | डॉ. हिरण्मय चट्टोपाध्याय (हिरन) | भाजपा | 22,260 |
| 180 | बगनान | अरुणव सेन | टीएमसी | 11,316 |
| 181 | आमता | अमित सामंता | भाजपा | 4,454 |
| 182 | उदयनारायणपुर | समीर कुमार पांजा | टीएमसी | 12,227 |
| 183 | जगतबल्लवपुर | अनुपम घोष | भाजपा | 6,671 |
| 184 | डोमजुड़ | तापस मैती | टीएमसी | 42,177 |
| 185 | उत्तरपाड़ा | दीपांजन चक्रवर्ती | भाजपा | 10,415 |
| 186 | श्रीरामपुर | भास्कर भट्टाचार्य | भाजपा | 8,685 |
| 187 | चांपदानी | दिलीप सिंह | भाजपा | 3,026 |
| 188 | सिंगुर | अरूप कुमार दास | भाजपा | 21,438 |
| 189 | चंदननगर | दीपांजन कुमार गुहा | भाजपा | 13,441 |
| 190 | चुंचुड़ा | सुबीर नाग | भाजपा | 43,435 |
| 191 | बालागढ़ | सुमना सरकार | भाजपा | 41,914 |
| 192 | पांडुआ | तुषार कुमार मजूमदार | भाजपा | 5,228 |
| 193 | सप्तग्राम | स्वराज घोष | भाजपा | 23,289 |
| 194 | चंडीताला | स्वाति खंडोकर | टीएमसी | 19,663 |
| 195 | जंगीपाड़ा | प्रोसेनजीत बाग | भाजपा | 862 |
| 196 | हरिपाल | मधुमिता घोष | भाजपा | 3,488 |
| 197 | धनियाखाली | असीमा पात्रा | टीएमसी | 13,057 |
| 198 | तारकेश्वर | संतू पान | भाजपा | 30,999 |
| 199 | पुरसुरा | बिमान घोष | भाजपा | 53,453 |
| 200 | आरामबाग | हेमन्त बाग | भाजपा | 28,959 |
| 201 | गोघाट | प्रशांत दीगर | भाजपा | 49,582 |
| 202 | खानाकुल | सुशांत घोष | भाजपा | 34,483 |
| 203 | तमलुक | हरे कृष्ण बेरा | भाजपा | 34,729 |
| 204 | पांशकुड़ा पूर्व | सुब्रत मैती (राणा) | भाजपा | 17,903 |
| 205 | पांशकुड़ा पश्चिम | सिंटू सेनापति | भाजपा | 32,567 |
| 206 | मोयना | अशोक डिंडा | भाजपा | 16,241 |
| 207 | नंदकुमार | निर्मल खानरा | भाजपा | 30,603 |
| 208 | महिषादल | सुभाष चंद्र पांजा | भाजपा | 26,238 |
| 209 | हल्दिया | प्रदीप कुमार बिजली | भाजपा | 49,062 |
| 210 | नंदीग्राम | सुवेंदु अधिकारी | भाजपा | 9,665 |
| 211 | चंडीपुर | पीयूष कांति दास | भाजपा | 20,270 |
| 212 | पटाशपुर | तपन मैती | भाजपा | 9,051 |
| 213 | कांथी उत्तर | सुमिता सिन्हा | भाजपा | 20,055 |
| 214 | भगवानपुर | शांतनु प्रमाणिक | भाजपा | 20,878 |
| 215 | खेजुरी | सुब्रत पाइक | भाजपा | 32,690 |
| 216 | कांथी दक्षिण | अरूप कुमार दास | भाजपा | 31,472 |
| 217 | रामनगर | डॉ. चन्द्र शेखर मंडल | भाजपा | 26,939 |
| 218 | एगरा | दिव्येंदु अधिकारी | भाजपा | 25,692 |
| 219 | दांतन | अजित कुमार जाना | भाजपा | 10,376 |
| 220 | नयाग्राम | अमिया किस्कू | भाजपा | 6,424 |
| 221 | गोपीबल्लवपुर | राजेश महता | भाजपा | 26,675 |
| 222 | झाड़ग्राम | लक्ष्मीकांत साव | भाजपा | 38,147 |
| 223 | केशरिया | भद्र हेमराम | भाजपा | 15,887 |
| 224 | खड़गपुर सदर | दिलीप घोष | भाजपा | 30,506 |
| 225 | नारायणगढ़ | गिरि रामप्रसाद | भाजपा | 20,367 |
| 226 | सबंग | अमल कुमार पांडा | भाजपा | 11,136 |
| 227 | पिंगला | स्वागत मन्ना | भाजपा | 18,480 |
| 228 | खड़गपुर | दीनेन रॉय | टीएमसी | 2,872 |
| 229 | डेबरा | सुभाशिश ओम | भाजपा | 28,801 |
| 230 | दासपुर | तपन कुमार दत्ता | भाजपा | 32,134 |
| 231 | घटाल | सीतल कपाट | भाजपा | 37,657 |
| 232 | चंद्रकोना | सुकांत दोलुई | भाजपा | 33,481 |
| 233 | गड़बेता | प्रदीप लोढ़ा | भाजपा | 26,225 |
| 234 | सालबोनी | बिमान महता | भाजपा | 15,243 |
| 235 | केशपुर | सिउली साहा | टीएमसी | 50,105 |
| 236 | मेदिनीपुर | शंकर कुमार गुछैत | भाजपा | 38,747 |
| 237 | बिनपुर | डॉ. प्रणत टुडू | भाजपा | 22,977 |
| 238 | बंदवान | लबसेन बास्के | भाजपा | 29,577 |
| 239 | बलरामपुर | जलाधर महतो | भाजपा | 35,051 |
| 240 | बाघमुंडी | रहिदास महतो | भाजपा | 40,817 |
| 241 | जयपुर | बिश्वजीत महतो | भाजपा | 22,218 |
| 242 | पुरुलिया | सुदीप कुमार मुखर्जी | भाजपा | 49,253 |
| 243 | मानबाज़ार | मयना मुर्मू | भाजपा | 27,283 |
| 244 | काशीपुर | कमला कांता हांसदा | भाजपा | 21,276 |
| 245 | पैरा नादिर | चंद बौरी | भाजपा | 33,721 |
| 246 | रघुनाथपुर | मामोनी बौरी | भाजपा | 44,059 |
| 247 | सालतोरा | चंदना बाउरी | भाजपा | 32,135 |
| 248 | छातना | सत्यनारायण मुखोपाध्याय | भाजपा | 47,174 |
| 249 | रानीबांध | खुदीराम टुडू | भाजपा | 52,269 |
| 250 | रायपुर | क्षेत्रमोहन हांसदा | भाजपा | 28,742 |
| 251 | तालडांगरा | सौविक पात्रा | भाजपा | 50,073 |
| 252 | बांकुड़ा | नीलाद्री शेखर दाना | भाजपा | 54,177 |
| 253 | बड़जोड़ा | बिलेश्वर सिन्हा | भाजपा | 41,310 |
| 254 | ओंदा | अमरनाथ शाखा | भाजपा | 31,723 |
| 255 | विष्णुपुर | शुक्ला चटर्जी | भाजपा | 30,605 |
| 256 | कोतुलपुर | लक्ष्मीकांत मजूमदार | भाजपा | 34,367 |
| 257 | इंदस | निर्मल कुमार धारा | भाजपा | 900 |
| 258 | सोनामुखी | दिबाकर घरामी | भाजपा | 29,410 |
| 259 | खंडघोष | नवीन चंद्र बैग | टीएमसी | 8,284 |
| 260 | बर्धमान दक्षिण | मौमिता बिस्वास मिश्रा | भाजपा | 30,470 |
| 261 | रैना | सुभाष पात्र | भाजपा | 834 |
| 262 | जमालपुर | अरुण हलदर | भाजपा | 11,178 |
| 263 | मोंतेश्वर | सैकत पंजा | भाजपा | 14,798 |
| 264 | कालना | सिद्धार्थ मजूमदार | भाजपा | 28,630 |
| 265 | मेमारी | मानब गुहा | भाजपा | 7,106 |
| 266 | बर्दवान उत्तर | निसिथ कुमार मलिक | टीएमसी | 6,460 |
| 267 | भतार | करफा सौमेन | भाजपा | 65,28 14/14 |
| 268 | पूर्वस्थली दक्षिण | प्राण कृष्ण तापदार | भाजपा | 16,662 |
| 269 | पूर्वस्थली उत्तर | गोपाल चट्टोपाध्याय | भाजपा | 30,226 |
| 270 | कटवा | कृष्णा घोष | भाजपा | 35,066 |
| 271 | केतुग्राम | अनादि घोष | भाजपा | 27,610 |
| 272 | मंगलकोट | शिशिर घोष | भाजपा | 12,723 |
| 273 | आउषग्राम | कलिता माझी | भाजपा | 12,535 |
| 274 | गलसी | राजू पात्रा | भाजपा | 10,494 |
| 275 | पांडेबेश्वर | जितेंद्र कुमार तिवारी | भाजपा | 1,398 |
| 276 | दुर्गापुर पूर्व | चंद्र शेखर बनर्जी | भाजपा | 30,934 |
| 277 | दुर्गापुर पश्चिम | लक्ष्मण चंद्र घोरुई | भाजपा | 37,598 |
| 278 | रानीगंज | पार्थ घोष | भाजपा | 17,786 |
| 279 | जामुरिया | डॉ. बिजन मुखर्जी | भाजपा | 22,514 |
| 280 | आसनसोल दक्षिण | अग्निमित्रा पॉल | भाजपा | 40,839 |
| 281 | आसनसोल उत्तर | कृष्णेंदु मुखर्जी | भाजपा | 11,615 |
| 282 | कुल्टी | अजय कुमार पोद्दार | भाजपा | 26,498 |
| 283 | बाराबनी | अरिजीत रॉय | भाजपा | 11,722 |
| 284 | दुबराजपुर | अनूप कुमार साहा | भाजपा | 27,647 |
| 285 | सूरी | जगन्नाथ चट्टोपाध्याय | भाजपा | 28,686 |
| 286 | बोलपुर | चंद्रनाथ सिन्हा | टीएमसी | 13,188 |
| 287 | नानूर | बिधान चंद्र माझी | टीएमसी | 8,122 |
| 288 | लाभपुर | देबाशीष ओझा | भाजपा | 3,550 |
| 289 | साईंथिया | कृष्णकांत साहा | भाजपा | 10,306 |
| 290 | मयूरेश्वर | दूध कुमार मंडल | भाजपा | 21,002 |
| 291 | रामपुरहाट | ध्रुबा साहा | भाजपा | 24,233 |
| 292 | हंसन | फ़ैज़ुल हक (काजल शेख) | टीएमसी | 28,298 |
| 293 | नलहटी | राजेंद्र प्रसाद सिंह (राजू सिंह) | टीएमसी | 13,446 |
| 294 | मुरारई | डॉ. मोसरफ हुसैन | टीएमसी | 37,705 |

## बंगाल में बीजेपी का बड़ा सियासी दांव सफल: 5 धुरंधरों की रणनीति से हिला ममता का किला



**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस बार एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है, जहां लंबे समय से अजेय माने जाने वाले किले को बीजेपी ने चुनौती देते हुए मजबूत पकड़ बनाई है। इस पूरे अभियान के केंद्र में रहे देश के गृह मंत्री अमित शाह, जिनकी आक्रामक रणनीति, लगातार जमीनी मौजूदगी और संगठनात्मक क्षमता को इस सफलता का मुख्य आधार माना जा रहा है। करीब पंद्रह दिनों तक बंगाल में डेरा डालकर अमित शाह ने चुनावी अभियान को केवल रैलियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे एक संगठित मिशन का रूप दिया। दिन में रैलियों और रोड शो के जरिए उन्होंने माहौल बनाया, वहीं देर रात तक चलने वाली बैठकों में पार्टी नेताओं को दिशा देते हुए अगले दिन की रणनीति तय की। 50 से अधिक रैलियों और रोड शो के माध्यम से उन्होंने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

चुनावी घोषणाओं में सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग को लागू करने और कानून-व्यवस्था को सख्त करने जैसे वादों ने मतदाताओं के बीच स्पष्ट संदेश दिया। पहले चरण के मतदान के बाद उनका 110 से अधिक सीटें जीतने का दावा राजनीतिक रूप से मनोवैज्ञानिक बढ़त साबित हुआ। हालांकि, यह सफलता केवल एक व्यक्ति के प्रयासों का परिणाम नहीं है। अमित शाह के साथ पांच प्रमुख नेताओं की टीम ने मिलकर इस अभियान को धार दी।

❑ **धर्मेंद्र प्रधान (मुख्य रणनीतिकार):** उन्होंने पूरे अभियान की रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। विभिन्न सामाजिक और जातीय समूहों के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने केंद्र और राज्य इकाई के बीच मजबूत समन्वय स्थापित किया।

❑ **भूपेंद्र यादव (संगठन और माइक्रो-मैनेजमेंट):** भूपेंद्र यादव ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का काम किया। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कानूनी पहलुओं को भी प्रभावी ढंग से संभाला।

❑ **सुनील बंसल (संगठन विस्तार और पन्ना प्रमुख मॉडल):** सुनील बंसल ने 'पन्ना प्रमुख' मॉडल को लागू कर कार्यकर्ताओं का मजबूत नेटवर्क तैयार किया, जिसने टीएमसी के कैडर आधारित ढांचे को चुनौती दी।

❑ **बिप्लब कुमार देब (क्षेत्रीय अनुभव और प्रचार):** त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने सीमावर्ती और सांस्कृतिक रूप से जुड़े क्षेत्रों में प्रचार को गति दी।

❑ **अमित मालवीय (डिजिटल नैरेटिव):** अमित मालवीय ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए नैरेटिव की लड़ाई को संभाला और विपक्ष के प्रचार का जवाब दिया।

इन सभी नेताओं के सामूहिक प्रयासों ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। यह केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि मजबूत रणनीति, संगठन और निरंतर प्रयासों का नतीजा माना जा रहा है। वहीं, राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए, यह चुनौतीपूर्ण स्थिति बन गई है, जहां उन्हें अपनी राजनीतिक रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।

# हावड़ा में भाजपा को 7 सीटों पर सफलता, 9 सीटों पर तृणमूल ने बरकरार रखा दबदबा


उत्तर हावड़ा से उमेश राय : 11,250 वोट से जीत


बाली से संजय सिंह : 11,997 वोट से जीत


शिवपुर से रुद्रनील घोष : 16,058 वोट से जीत

**हावड़ा, समाज्ञा :** हावड़ा जिले में विधानसभा चुनाव परिणामों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। कुल 16 विधानसभा सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने 7 सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 9 सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत रखते हुए बढ़त बनाए रखी है। भाजपा की ओर से बाली से संजय सिंह, उत्तर हावड़ा से उमेश राय, शिवपुर से रुद्रनील घोष, जगतबल्लभपुर से अनुपम घोष, आमता से अमित सामंत, श्यामपुर से डॉ. हिरण्मय चट्टोपाध्याय तथा उलबेड़िया उत्तर से चिरण बेरा ने जीत हासिल की है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने डोमजूर से तापस माइति, पांचला से गुलशन मल्लिक, सांकराइल से प्रिया पाल, उलुबेड़िया पूर्व से रीतब्रत बनर्जी, उलुबेड़िया दक्षिण से पुलक राय, मध्य हावड़ा से अरूप राय, दक्षिण हावड़ा से नंदिता चौधरी, बागनान से अरुणाभ सेन तथा उदयनारायणपुर से समीर कुमार पांजा को विजयी बनाया है। मध्य हावड़ा सीट पर अरूप राय ने जीत दर्ज की, हालांकि जीत का अंतर केवल 16,083 वोटों का रहा। अन्य कई सीटों पर तृणमूल कांग्रेस भी मुकाबला बेहद करीबी रहा।

## गरबा एक्सप्रेस का भवानी मंडी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव

❑ यात्रियों को मिलेगी बड़ी सुविधा



**कोलकाता, समाज्ञा :** रेलवे ने 12937/12938 गांधीधाम–हावड़ा–गांधीधाम गरबा एक्सप्रेस का पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत भवानी मंडी स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, 12937 गांधीधाम–हावड़ा गर्भा एक्सप्रेस भवानी मंडी स्टेशन पर सुबह 07:38 बजे पहुंचेगी और 07:40 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार, 12938 हावड़ा–गांधीधाम गर्भा एक्सप्रेस रात 00:28 बजे स्टेशन पर पहुंचेगी और 00:30 बजे आगे के लिए रवाना होगी। इस अतिरिक्त ठहराव से स्थानीय यात्रियों को यात्रा में सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय रेल संपर्क और अधिक मजबूत होगा।

## जसीडीह-वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस आंशिक रूप से प्रभावित

**कोलकाता, समाज्ञा :** दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली मंडल में चल रहे ट्रैक मेंटेनेंस कार्य के कारण जसीडीह–वास्को द गामा–जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। जानकारी के अनुसार, 17322 जसीडीह–वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा प्रारंभ तिथि 04 मई, 11 मई, 18 मई, 25 मई एवं 01 जून 2026) को हुबली स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। वहीं, गाड़ी संख्या 17321 वास्को द गामा–जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा प्रारंभ तिथि 08 मई, 15 मई, 22 मई, 29 मई एवं 05 जून 2026) हुबली स्टेशन से ही शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी।


**पूर्व रेलवे**

**निविदा सूचना संख्या: ईएनजीजी-02/26-27 (खुली), दिनांक: 30.04.2026।** मुख्य कार्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा वर्कशॉप, उत्तर 24-परगना, पिन-743145, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए विगत दिनों में खास तौर पर रेलवे/सीपीडब्ल्यूडी/पीडब्ल्यूडी/एमईएस/सिंचाई या किसी भी अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में समरूप प्रकृति के कार्य को सम्पादित करने का पर्याप्त अनुभव एवं आर्थिक क्षमता रखने वाले सम्माननीय ठेकेदारों से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिये ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **निविदा संख्या: डब्ल्यूटी-04-26-27। कार्यों का विवरण:** कांचरापाड़ा वर्कशॉप में: लोको कॉम्प्लेक्स में बोगी ब्लास्टिंग प्लांट के लिए शॉप 6 के बगल में शेड के निर्माण का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 1,73,97,476.69। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति*:** रु. 3,48,000। **निविदा दस्तावेज की कीमत (अप्रतिदेय):** शून्य। **पीओ जारी किये जाने की तारीख से पूरा करने की अवधि:** 12 महीना। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 22.05.2026। *रेलवे बोर्ड ने पत्र संख्या: 2020/सीई-I/सीटी/3ई/जीसीसी/पॉलिसी, दिनांक 30.12.2020 के मार्फत 31.12.2021 तक किसी भी कार्य निविदा के लिए जमा बयाना राशि नहीं लेने का निर्देश दिया था। लेकिन, जैसा कि आज तक ऐसा कोई और निर्देश नहीं है, इसलिए जमा बयाना राशि प्रणाली को वापस ले लिया गया है। कार्य का दायरा सांकेतिक मात्र है। तथापि, विवरण भारतीय रेल ई-निविदा साइट अर्थात **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **विज्ञापन की अवधि:** समय जिसके दौरान निविदा से सम्बंधित सभी जानकारियाँ उपलब्ध होंगी लेकिन प्रस्ताव जमा नहीं किये जा सकेंगे। निविदा **22.05.2026 को दोपहर 2.00 बजे** बंद की जाएगी तथा खोलने वाले कार्मिक की उपलब्धता तथा नेट के एक्सेस होने के अनुसार निविदा **उसी दिन दोपहर 2.30 बजे** के बाद किसी भी समय खोली जाएगी।

(MISC-28/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter



## जसीडीह-वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस आंशिक रूप से प्रभावित

**कोलकाता, समाज्ञा :** दक्षिण पश्चिम रेलवे के हुबली मंडल में चल रहे ट्रैक मेंटेनेंस कार्य के कारण जसीडीह–वास्को द गामा–जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। जानकारी के अनुसार, 17322 जसीडीह–वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा प्रारंभ तिथि 04 मई, 11 मई, 18 मई, 25 मई एवं 01 जून 2026) को हुबली स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। वहीं, गाड़ी संख्या 17321 वास्को द गामा–जसीडीह साप्ताहिक एक्सप्रेस (यात्रा प्रारंभ तिथि 08 मई, 15 मई, 22 मई, 29 मई एवं 05 जून 2026) हुबली स्टेशन से ही शॉर्ट ओरिजिनेट की जाएगी।


# हुगली में उड़ी भगवा आंधी, 18 में से 16 सीटों पर भाजपा का कब्जा

❑ **भगवा आंधी में उड़े तृणमूल के दिग्गज नेता, नहीं चला ममता–अभिषेक का जादू**

❑ **मोदी, शाह और योगी का चला जादू**

**हुगली :** पश्चिम बंगाल के हुगली जिले से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भारी जीत दर्ज की है। हुगली जिले की 18 विधानसभा सीटों में से 16 सीटों पर भाजपा ने शानदार जीत हासिल कर भगवा परचम लहरा दिया है। इस जबरदस्त जीत के बाद पूरे जिले में जश्न का माहौल है और जगह–जगह विजय जुलूस निकाले जा रहे हैं।

भाजपा उम्मीदवारों ने अपनी जीत का श्रेय जनता को देते हुए कहा कि बंगाल की जनता अब भ्रष्टाचार, अत्याचार और कुशासन से त्रस्त हो चुकी थी। उनका कहना है कि जिस तरह साल 2011 में वामपंथी सरकार के खिलाफ बदलाव की लहर चली थी, ठीक उसी तरह इस बार जनता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ वोट दिया है।


श्रीरामपुर विधानसभा से जीत के बाद पार्टी कार्यालय पहुंचे भास्कर भट्टाचार्य

श्रीरामपुर – भास्कर भट्टाचार्य (भाजपा), उत्तरपाड़ा – दीपांजन चक्रवर्ती (भाजपा), चांपदानी – दिलीप सिंह (भाजपा), चुचूड़ा – सुबीर नाग (भाजपा), चंदननगर – दीपांजन गुहा (भाजपा), हरिपाल – मधुमिता घोष (भाजपा), चंडीतला से (तृणमूल – स्वाति खांडेकर), धनियाखाली से तृणमूल उम्मीदवार असीमा पात्रा, सप्तग्राम से भाजपा उम्मीदवार स्वराज घोष, बालागढ़ से भाजपा उम्मीदवार सुमना सरकार, सिंगूर – अरूप कुमार दास (बीजेपी), आरामबाग – हेमंत बाग (बीजेपी), पांडुआ – तुषार कुमार मजूमदार (बीजेपी), तारकेश्वर – संतु पान (बीजेपी) ने जीत दर्ज की।

भाजपा की इस बड़ी जीत के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जादू बंगाल में साफ देखने को मिला। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है और सवाल उठ रहे हैं कि क्या ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का प्रभाव इस बार कमजोर पड़ गया। पूरे हुगली जिले में भाजपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर जीत का जश्न मना रहे हैं। जय श्रीराम के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा है।

हुगली में भाजपा की यह जीत बंगाल की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। अब देखना होगा कि इसका असर पूरे राज्य की सत्ता पर कितना पड़ता है। जनता ने राम विरोधियों को सत्ता से बेदखल कर दिया। अब बंगाल में रामराज्य कायम होगा। फिर बंगाल सोनार बांग्ला बनेगा। भाजपा के विजयी उम्मीदवार भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि बंगाल की जनता ने ममता को सिरे से खारिज किया। ममता के अत्याचार से बंगाल की जनता तंग आ चुकी थी। अब आने वाले 50 वर्षों तक बंगाल में तृणमूल दिखाई नहीं पड़ेगी।


**दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा**

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (कैरज वर्क्स), खड़गपुर वर्कशॉप, खड़गपुर, दक्षिण पूर्व रेलवे निम्नलिखित के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **ई-निविदा सूचना संख्या: रिफर्बिसिंगआईसीएफ250-1-आर, दिनांक: 30.04.2026। कार्य का नाम:** रेलवे कोचों का नवीनीकरण। [कोचों की जंग की मरम्मत, पीओएच के दौरान आईसीएफ कोचों में पीवीसी को अलग करने और बिछाने सहित साज-सज्जा के कार्य, पीओएच के दौरान कोच के दरवाजों को अलग करना, मरम्मत और फिट करना, बफर असेंबली की डिसमाउण्टिंग और परिवहन (आना-जाना, यानी नामित कोच से संबंधित वर्कशॉप तक और संबंधित वर्कशॉप से वापस नामित कोच तक; यह प्रक्रिया कोच को उतारने के बाद और रेलवे द्वारा ओवरहॉलिंग का काम पूरा होने के बाद दोहराई जाती है) और आईसीएफ कोचों में स्क्रू कपलिंग के साथ ड्रॉ गियर व्यवस्था को अलग करना, डिस्मैंटलिंग और परिवहन करना तथा कार्य के विस्तृत दायरे और अनुबंध की विशेष शर्तों (जैसा कि संलग्न है) के अनुसार संबंधित अनुभागों को सौंपना]। **कार्य का स्थान:** खड़गपुर वर्कशॉप, दक्षिण पूर्व रेलवे, पोस्ट-खड़गपुर, जिला-पश्चिम मेदिनीपुर, पिन-721301। **मात्रा:** 250 आईसीएफ कोच। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,02,47,025.50। **बयाना राशि:** ₹ 4,05,000। **अनुबंध की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 25.05.2026 को अपराह्न 3:00 बजे। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य। **बोली प्रणाली:** एकल लिफाफा प्रणाली। **अनुबंध का प्रकार:** कार्य-साधारण। **निविदा का प्रकार:** खुली। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज़ ई-पोर्टल वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

(PR-113)


# दीदी के अभेद्य दुर्ग में कैसे सेंधमारी कर गई भाजपा?

## 5 बड़े कारण जिनसे ढह गया ममता बनर्जी का 15 साल पुराना साम्राज्य



**कोलकाता :** पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक लंबे समय तक 'अजेय' मानी जाने वाली ममता बनर्जी की सत्ता की नाव आखिरकार डगमगा गई। 15 साल का राज, 'मां, माटी, मानुष' का नारा और जमीनी पकड़... सब धराशायी हो गया। जिस बंगाल में भाजपा को 'बाहरी' बताया जाता था, उसी भाजपा ने इस बार ममता के 'नामुमकिन' को 'मुमकिन' कर दिखाया।

आखिर बंगाल की हवा रातों–रात कैसे बदल गई? क्या यह सिर्फ एंटी–इंकबेंसी थी या भाजपा की कोई सोची–समझी सर्जिकल स्ट्राइक? आइए समझते हैं उन 5 बड़े फैक्टर्स को, जिन्होंने बंगाल की राजनीति का भूगोल बदल दिया।

❑ **सनातनी ध्रुवीकरण: जब 'प्रवासी' बने जीत का आधार**

भाजपा इस बार बंगाल में एक नैरेटिव सेट करने में सफल रही– सनातन खतरे में है। बीजेपी ने टीएमसी को 'एंटी-हिंदू' के तौर पर प्रोजेक्ट किया। 30% मुस्लिम वोट बैंक के मुकाबले भाजपा ने बाकी 70% हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने पर पूरा जोर लगाया। ममता बनर्जी ने जिसे 'मजदूरों के लिए विशेष ट्रेनें' कहकर चुनाव आयोग में शिकायत की थी, वही भाजपा का मास्टरस्ट्रोक निकला। दूसरे राज्यों में काम करने वाले लाखों प्रवासी बंगाली हिंदू वोट डालने घर लौटे और उन्होंने एकमुश्त भाजपा का साथ दिया।

❑ **कानून–व्यवस्था और 'आरजी कर' कांड की आग**

बंगाल में महिला सुरक्षा हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है, लेकिन हालिया घटनाओं ने ममता सरकार की साख पर गहरी चोट की।आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद 2025 में दुर्गापुर में एमबीबीएस छात्रा के साथ हुई दरिंदगी ने आग में घी का काम किया।मुख्यमंत्री का महिलाओं को रात में बाहर न निकलने की सलाह देना उलटा पड़ गया। वहीं, भाजपा ने पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ को पानीहाटी से टिकट देकर इस गुस्से को वोट में बदल दिया।

❑ **'लाड़ली बहना' का बंगाल वर्जन: 3000 का दांव**

राजनीति में आर्थिक सुरक्षा अक्सर भावनाओं पर भारी पड़ती है। भाजपा ने मध्य प्रदेश के अपने सफल प्रयोग 'लाड़ली बहना योजना' को बंगाल में और बड़े स्तर पर उतारा। भाजपा ने महिलाओं के लिए हर महीने 3000 रुपये की आर्थिक सहायता का वादा किया। यह राशि ममता की 'लक्खी भंडार' योजना से कहीं अधिक थी। महिलाओं का साइलेंट वोट बैंक, जो कभी ममता की ताकत था, इस बार आर्थिक लाभ और सुरक्षा के वादे के कारण भाजपा की ओर खिसक गया।

❑ **टीएमसी की आपसी जंग: जब अपनों ने ही गिराई लंका**

तृणमूल कांग्रेस के भीतर मची रार ने पार्टी को भीतर से खोखला कर दिया। पार्टी दो गुटों में बंट गई थी। एक तरफ ममता के करीबी अभिषेक बनर्जी और महुआ मोइत्रा थे, तो दूसरी तरफ कल्याण बनर्जी जैसे पुराने दिग्गज। जब कल्याण बनर्जी को चीफ व्हिप के पद से इस्तीफा देना पड़ा, तो कार्यकर्ताओं में यह संदेश गया कि पार्टी में अब वफादारी से ज्यादा 'सिंडिकेट' और 'करीबी' मायने रखते हैं। इस समन्वय की कमी ने बूथ मैनेजमेंट को कमजोर कर दिया।

❑ **वोटर लिस्ट की सफाई और 'विजन' का अभाव**

ममता बनर्जी इस चुनाव में यह समझाने में विफल रहीं कि उन्हें चौथा कार्यकाल क्यों मिलना चाहिए। जहां भाजपा घुसपैठ, सुरक्षा और विकास की बात कर रही थी, वहीं ममता सिर्फ 'विक्टिम कार्ड' और केंद्र पर भेदभाव के आरोप लगाती रहीं। चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया ने खेल बदल दिया। वोटर लिस्ट से 91 लाख फर्जी या संदेहास्पद नाम हटाए गए। माना जा रहा है कि इनमें बड़ी संख्या उन मतदाताओं की थी जो टीएमसी का पारंपरिक वोट बैंक माने जाते थे।

ममता बनर्जी की हार किसी एक घटना का नतीजा नहीं थी, बल्कि यह प्रशासनिक विफलता, आंतरिक कलह और भाजपा की आक्रामक 'कैश और कार्ड' (आर्थिक योजना और हिंदुत्व) राजनीति का मिला–जुला परिणाम थी। बंगाल ने इस बार बदलाव के लिए नहीं, बल्कि 'विकल्प' के लिए वोट किया।

# नया युग-सबका युग : बंगाल में बदलाव को समाजसेवी कमल दुगड़ ने बताया युग परिवर्तन का संकेत



**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए सुप्रसिद्ध समाजसेवी कमल दुगड़ ने इसे युग परिवर्तन का क्षण करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह वह क्षण है जब दशकों की प्रतीक्षा, संघर्ष और अटूट विश्वास ने मिलकर एक नई दिशा को जन्म दिया है। कमल दुगड़ ने कहा कि, आज का दिन अभूतपूर्व है, जिसने वर्षों की प्रतीक्षा और निरंतर साधना को साकार कर दिया है। उनके अनुसार, यह जीत असंख्य प्रयासों, त्याग और समर्पण का परिणाम है, जो लंबे समय से जन–जन के मन में एक संकल्प के रूप में जीवित था। उन्होंने कहा कि लगभग 50 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद बंगाल में यह परिवर्तन केवल सत्ता परिवर्तन नहीं है, बल्कि सोच, दिशा, सुरक्षा और भविष्य के विश्वास का बदलाव है। यह एक नए युग की शुरुआत है, जो किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि सभी का युग होगा।

उन्होंने नया युग, सबका युग कहते हुए कहा कि इस दौर में हर व्यक्ति की आकांक्षाओं को सम्मान मिलेगा और विकास, सुशासन तथा समान अवसरों का नया अध्याय लिखा जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस परिवर्तन के साथ बंगाल का हर नागरिक आने वाले समय में इस परिवर्तन के स्वर्णिम काल के उन्नयन का लेख लिखेगा।

इस ऐतिहासिक क्षण पर, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, सभी जीवनदानी पर्दे के पीछे से और सामने से भारत के लिए कार्य करने वाले सभी महानुभावों के प्रति अपनी हृदयपूर्ण कृतज्ञता व्यक्त किया, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व, अटूट संकल्प और मार्गदर्शन ने इस नए युग का पथ प्रशस्त किया है। उनके अथक परिश्रम, कष्ट सहन, प्रेरणा और दिशा ने ही इस परिवर्तन को संभव बनाया है।

## काम करने के तरीके को बदल देगा एआई–पावर्ड प्लेटफ़ॉर्म

**कोलकाता :** प्रूडेंट कॉर्पोरेट एडवाइजरी सर्विसेज़ लिमिटेड ने अपने एआई–पावर्ड बिज़नेस मैनेजमेंट टूल को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह टूल पार्टनर्स को ज़्यादा स्मार्ट तरीके से योजना बनाने, क्लाइंट्स को बेहतर सेवा देने, तेज़ी से मार्केटिंग करने और अपने बिज़नेस को सटीकता के साथ बढ़ाने में मदद करने के लिए बनाया गया है। क्लाइंट की रिस्क प्रोफ़ाइल और निवेश की समय–सीमा डालने पर, एआई तुरंत इक्विटी, डेट और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में सबसे अच्छा एसेट एलोकेशन तैयार कर देता है, साथ ही चुनी हुई स्कीम की सिफ़ारिशें भी देता है। पार्टनर्स एक तैयार ईमेल भेज सकते हैं और लेन–देन शुरू कर सकते हैं – यह सब एक ही एआई–पावर्ड स्क्रीन से किया जा सकता है।

# बंगाल के ऐतिहासिक जनादेश का उद्योग और समाज जगत ने किया स्वागत, बताया विकास और स्थिरता का संकेत

**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल में आए चुनाव परिणामों के बाद उद्योग जगत, समाजसेवियों और विभिन्न प्रतिष्ठित हस्तियों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जिसमें इस जनादेश को ऐतिहासिक बदलाव और नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। कई प्रमुख व्यक्तित्वों ने इसे स्थिर शासन, तेज विकास, बेहतर बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए अनुकूल माहौल का संकेत बताया है। साथ ही रोजगार सृजन, पारदर्शिता और समग्र प्रगति को लेकर भी उम्मीदें जताई गई हैं। इस ऐतिहासिक परिवर्तन पर उद्योग, समाज और प्रतिष्ठित वर्गों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।


**अंबुजा नेओटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेओटिया**

पश्चिम बंगाल में मिले स्पष्ट जनादेश पर अंबुजा नेओटिया ग्रुप के चेयरमैन हर्षवर्धन नेओटिया ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए स्थिर शासन आवश्यक होता है, क्योंकि इससे व्यवसायों, निवेशकों और समाज में विश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र में एक ही राजनीतिक दल की सरकार होने से नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वय संभव है। इससे बुनियादी ढांचे के विकास और कारोबार करने में आसानी को गति मिलने की उम्मीद है। कोलकाता की संभावनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह शहर विकास के नए अवसरों के लिए तैयार है और एक स्थिर व दूरदर्शी नीति से यहां तेज आर्थिक प्रगति संभव है।


**पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के एमडी संजय बुधिया**

राज्य में नई सरकार के गठन पर पैटन इंटरनेशनल लिमिटेड के एमडी संजय बुधिया ने उद्योग और सरकार को विकास का साझेदार बताते हुए विश्वास जताया कि बंगाल में प्रगति की गति और तेज होगी। उन्होंने कहा कि उद्योग और सरकार मिलकर रोजगार सृजन, राजस्व वृद्धि तथा शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों की स्थापना के माध्यम से राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बुधिया ने कहा कि बंगाल उनकी कर्मभूमि रहा है और वे हमेशा राज्य के प्रति प्रतिबद्ध रहे हैं तथा आगे भी रहेंगे। उन्होंने नई सरकार को बधाई देते हुए कहा कि उनके विजन और गति से राज्य में विकास और प्रगति को नई मजबूती मिलेगी।


**के. डी. अग्रवाल**

के.डी. अग्रवाल ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों को साढ़े चार दशकों के बाद आया ऐतिहासिक बदलाव बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि नई राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का संकेत है। उन्होंने इसे तुष्टिकरण के अंत और आत्मसम्मान के उदय का प्रतीक बताते हुए उम्मीद जताई कि अब 'वोट बैंक' की राजनीति से मुक्ति मिलेगी और सभी को समान अधिकार मिलेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार से औद्योगिक विकास को गति, निवेश में वृद्धि और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। साथ ही, पारदर्शी शासन, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और केंद्रीय योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि नई सरकार की प्राथमिकता भयमुक्त वातावरण बनाना होनी चाहिए, जिससे लोकतंत्र मजबूत होगा और बंगाल विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।


**समाजसेवी एवं अद्योगपति (कोठारी इंडस्ट्रीज) अरुण कोठारी**

सबका साथ, सबका विकास की जीत हुई है और नई सरकार के लिए हार्दिक शुभकामनाएं। आज भय आउट और भरोसा इन हुआ है। उम्मीद है कि आने वाली सरकार व्यवसायियों के हितों, कानून–व्यवस्था और विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देगी। लोगों ने दिल खोलकर भरोसा जताया है और अब अपेक्षा है कि सरकार अपने वादों पर पूरी तरह कायम रहेगी तथा जनहित में प्रभावी कार्य करेगी। यह परिवर्तन सभी वर्गों के लिए आशा और विकास की नई शुरुआत है।


**सुजीत अग्रवाल**

नई सरकार को शुभकामनाएं। हमें विश्वास है कि महिलाओं की सुरक्षा को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा राज्य में विकास कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। सरकार की नीतियों से रोजगार, उद्योग और सामाजिक क्षेत्र में बेहतर अवसर पैदा होंगे, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा। हमें पूरा भरोसा है कि नई सरकार जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेगी और पारदर्शी व मजबूत शासन स्थापित करेगी। इस परिवर्तन से हम सभी अत्यंत प्रसन्न हैं और इसे एक सकारात्मक व ऐतिहासिक शुरुआत मानते हैं।


**अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुशील चौधरी और सचिव प्रदीप लुहारीवाला**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत दिलाने के लिए राज्य की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि दशकों से विकास की प्रतीक्षा कर रहे पश्चिम बंगाल में अब वास्तविक विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। नेत–ाओं ने विश्वास जताया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में पश्चिम बंगाल को औद्योगिक विकास में अग्रणी बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएंगी।


**पूर्व रेलवे**

**निविदा सूचना संख्या: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21(नोटिस)/752, दिनांक: 30.04.2026।** मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युतीय कार्यों के लिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3496-आर। कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के अधीन बैंडेल, बर्द्धमान, आजिमगंज, रामपुरहाट में रेलवे इंस्टिट्यूट के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 95,09,960। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 1,90,200। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3487-आर1। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/हावड़ा के खंड में अमृत स्टेशन योजना के अधीन तारकेश्वर में विस्तारित स्टेशन बिल्डिंग (ग्राउंड फ्लोर) के अवशिष्ट कार्य का संपादन तथा डोम स्ट्रक्चर, स्टेशन बिल्डिंग तथा पथिक शेड के बीच संपर्क सहित पोर्च के साथ फसाड के सामने विकास, बुकिंग कार्यालय, स्टेशन बिल्डिंग के शौचालय एवं प्रतीक्षालय के अंदरूनी विकास के लिए विद्युतीय साधारण कार्य तथा वर्तमान स्टेशन बिल्डिंग का अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 48,34,905। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 96,700। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3485-आर1। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/हावड़ा के खंड में अमृत स्टेशन योजना के अधीन चंदननगर स्टेशन पर फसाड और पोर्च का विकास तथा बुकिंग कार्यालय, शौचालय एवं प्रतीक्षालय के अंदरूनी विकास के लिए विद्युतीय साधारण कार्य तथा अन्य आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 48,07,413। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 96,200। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3489-आर1। कार्य का नाम:** जोनल नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर कम ईपीसी बिल्डिंग के निर्माण के सम्बन्ध में विद्युतीय साधारण कार्य के सम्बन्ध में मशीन रूम/मशीन रूम लेस (एमआरएल) पैसेंजर लिफ्ट (जी +4), 5 स्टॉप्स, 5 ओपनिंग्स, 8 यात्री की क्षमता (544 किग्रा) की डिज़ाइन, निर्माण एवं आपूर्ति। **निविदा मूल्य:** ₹ 34,48,385। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 69,000। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3549-आर। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/डानकुनी के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/डानकुनी के खंड में शिवाईचंडी, चेराग्राम ब्लॉक हट, गुड़ाप एवं झापानडांगा पर गैंग हट के निर्माण के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,90,553। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 11,800। **क्रम संख्या:** 6। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3548-आर। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/2/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन पीडब्ल्यूआई/वेस्ट/बर्द्धमान खंड में 02 अदद (यूनिट-5 एवं यूनिट-1) तथा पीडब्ल्यूआई/ईस्ट/बर्द्धमान खंड में 03 अदद (यूनिट-2, यूनिट-5 तथा यूनिट-6) गैंग हट के प्रावधान के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 9,32,217। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 18,700। **क्रम संख्या:** 7। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3525-आर। कार्य का नाम:** ट्रैक मशीन साइडिंग्स (ईआई) के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य - 27 अदद। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,54,84,886। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 5,09,700। **क्रम संख्या:** 8। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3229-आर3। कार्य का नाम:** टिकियापाड़ा कोचिंग कॉम्प्लेक्स एवं सॉर्टिंग यार्ड कोचिंग कॉम्प्लेक्स में इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्टिंग लैब का विकास। **निविदा मूल्य:** ₹ 17,70,513। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 35,400। **क्रम संख्या:** 9। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3527-आर। कार्य का नाम:** ट्रैक मशीन साइडिंग्स (पीआई) के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य - 20 अदद। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,75,25,837। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 3,50,500। **क्रम संख्या:** 10। **निविदा सं.: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3532-आर। कार्य का नाम:** एडीईएन/आजिमगंज के खंड के अधीन तकिपुर, लोहापुर, गोसाईंग्राम, खागड़ाघाट रोड, काजीपाड़ा हाल्ट तथा बाज़ारसौ स्टेशन के नज़दीक गैंग हट के निर्माण के सम्बन्ध में विद्युतीय (साधारण) कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 13,44,257। **बोली प्रतिभूति (जमा बयाना राशि):** ₹ 26,900। **पूरा करने की अवधि:** 180 दिन (क्रम संख्या 1 से 10 प्रत्येक के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 13.05.2026 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए) तथा 15.05.2026 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 5 से 10 प्रत्येक के लिए)। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित बंद होने की तारीख को किसी कारणवश छुट्टी/बंद/हड़ताल घोषित होने पर ऑनलाइन निविदा के बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा क्योंकि आईआरईपीएस वेबसाइट में आवेदन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि, ऑनलाइन निविदा को निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिन में खोला जाएगा। निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर अपने प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें।

(HWH-44/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway easternrailwayheadquarter

# असम में भाजपा का क्लीन स्वीप

## 126 सदस्यीय विधानसभा में 101 सीट पर मिली जीत

**गुवाहाटी :** असम में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के बाद लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाने के लिए तैयार है। राजग ने सोमवार को 126 सदस्यीय विधानसभा में 101 सीटों पर जीत दर्ज की। रात 8:30 बजे तक भाजपा ने 81 सीट पर जीत हासिल कर ली। उसके सहयोगी दलों बोडो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) को 10-10 सीट पर जीत मिली है। भाजपा एक सीट पर आगे चल रही थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस उम्मीदवार बिदिशा नियोग को 89,434 मतों से हराकर लगातार छठी बार जालुकबारी निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। विपक्षी खेमे में कांग्रेस ने 15 सीट जीतीं और चार सीट पर आगे चल रही है, जबकि बदरुद्दीन अजमल के नेतृत्व वाले एआईयूडीएफ और अखिल गोगोई के नेतृत्व वाले रायजोर दल ने दो-दो सीट हासिल कीं। तृणमूल कांग्रेस को एक सीट पर जीत हासिल हुई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई जोरहाट में अनुभवी नेता और मौजूदा भाजपा विधायक हितेंद्रनाथ गोस्वामी से 23,181 मतों के अंतर से हार गए। भाजपा के चुनाव जीतने वाले प्रमुख नेताओं में मंत्री अजंता नियोग (गोलाघाट), रानोज पेगु (धेमाजी), पीजूष हजारिका (जागीरोड), कौशिक राय (लखीपुर), प्रशांत फूकन (डिब्रूगढ़), कृष्णेंदु पॉल (पाथरकांडी) और बिमल बोरा (तिंगखोंग) शामिल हैं। विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने यूपीपी-एल के पूर्व बीटीसी प्रमुख प्रमोद बरो को हराकर तामुलपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। रायजोर दल के अध्यक्ष अखिल गोगोई ने सिबसागर सीट बरकरार रखी, जबकि पार्टी के एक अन्य सदस्य महबूब मुख्तार ने ढिंग सीट जीती और तृणमूल कांग्रेस के शेरमन अली अहमद ने मंडिया से जीत हासिल की। चुनाव हारने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया, असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति सैकिया और पूर्व राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रिपुन बोरा शामिल हैं। राज्य की सभी 126 विधानसभा सीट पर नौ अप्रैल को एक ही चरण में मतदान हुआ था।

### असम में राजग की शानदार जीत, सरकार के काम और विकास के एजेंडे पर जनता ने लगाई मुहर : हिमंत

#### जालुकबारी से लगातार छठी बार जीत हासिल की

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विधानसभा चुनाव में राजग के शानदार प्रदर्शन के लिए जनता का आभार जताते हुए सोमवार को कहा कि यह परिणाम सरकार के अच्छे काम और राज्य के विकास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जोर का प्रतिबिंब है। शर्मा ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए अभूतपूर्व जीत है। यह पहला मौका है जब भाजपा ने राज्य में स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार असम विधानसभा चुनाव के अब तक घोषित नतीजों में भाजपा 62 सीटें जीत चुकी है और 20 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है, जबकि उसकी सहयोगी बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) को सात सीटें मिलीं और तीन पर बढ़त है। राजग के अन्य सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) चार सीट जीत चुकी है और छह सीटों पर आगे चल रही है। चुनाव परिणाम में कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर शर्मा ने कहा, लोगों ने गायक जुबीन गर्ग की मौत का राजनीतिकरण करने के लिए उन्हें सजा दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक-दो को छोड़कर विपक्ष में कोई हिंदू विधायक नहीं होगा और राज्य के भविष्य को सुरक्षित करने और 'बांग्लादेशी मियाओं' की 'आक्रामकता' से लड़ने के लिए अच्छे हिंदू कांग्रेसी नेताओं से भाजपा में शामिल होने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हैट्रिक के साथ शतक!, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन तीन अंकों के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।

### बंगाल में जनशक्ति की जीत हुई, असम में शानदार जनादेश : प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव परिणामों पर कहा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में जनशक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति विजयी हुई, जबकि असम में राजग की जीत विकास और जन-कल्याण की राजनीति के प्रति जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास का प्रतीक है। मोदी ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि बंगाल में जनता-जनार्दन ने भाजपा को अभूतपूर्व जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। हमारी डबल इंजन सरकार समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और सम्मान सुनिश्चित करेगी।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा है! वर्ष 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अविस्मरणीय रहेंगे। जनशक्ति की जीत हुई है और भाजपा के सुशासन की राजनीति को यहां (बंगाल) के लोगों का भरपूर आशीर्वाद मिला है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए बंगाल के अपने भाई-बहनों का हृदय से आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह रिकॉर्ड जीत हमारे कर्मठ कार्यकर्ताओं के दशकों के अथक प्रयास और संघर्षों का परिणाम है। मैं उन सभी को नमन करता हूं। उन्होंने जमीनी स्तर पर निरंतर कड़ी मेहनत की है और अनेक चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने हमारे विकास के एजेंडे को आगे बढ़ाया है। वे हमारी पार्टी की असली ताकत हैं।'' असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली जीत पर प्रधानमंत्री ने कहा, ''असम ने एक बार फिर भाजपा-राजग को अपना भरपूर आशीर्वाद दिया है!''

# तमिलनाडु में टीवीके का धमाकेदार प्रदर्शन

**चेन्नई :** अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित और धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए खुद को सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित कर दिया है। शुरुआती रुझानों में टीवीके 234 सदस्यीय विधानसभा में 106 सीटों पर आगे चल रही है, जिससे राज्य की पारंपरिक द्रविड़ राजनीति को बड़ा झटका लगा है।सत्तारूढ़ द्रमुक 59 सीटों पर सिमटती दिख रही है, जबकि अन्नाद्रमुक 47 सीटों पर आगे है। सबसे बड़ा राजनीतिक झटका तब लगा जब द्रमुक प्रमुख और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन खुद चुनाव हार गए। उनके कई मंत्री भी अपने-अपने क्षेत्रों में पीछे चल रहे हैं, जो राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत देता है।विजय, जिन्होंने हाल ही में राजनीति में कदम रखा था, युवाओं और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। उनकी पार्टी ने भ्रष्टाचार विरोध, रोजगार और नई राजनीतिक संस्कृति जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया, जिसका असर चुनावी नतीजों में साफ दिखाई दे रहा है।चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि तमिलनाडु का जनादेश युवाओं की उस आवाज को दर्शाता है, जिसे लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया। उन्होंने विजय को फोन कर बधाई दी और उनके प्रदर्शन को लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत बताया।इसी बीच, केरल में कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने भी मजबूत बढ़त बनाई है। रुझानों के अनुसार, यूडीएफ 140 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत की ओर बढ़ता दिख रहा है। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ ने विश्वास जताया कि गठबंधन 100 सीटों का आंकड़ा पार कर लेगा।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने केरल की जनता को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह परिणाम राज्य में विकास और समावेशी राजनीति के समर्थन का संकेत है।पुडुचेरी में भी चुनावी मुकाबला दिलचस्प बना हुआ है। यहां ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस 30 में से 12 सीटों पर आगे चल रही है या जीत दर्ज कर चुकी है। द्रमुक को पांच और भाजपा को चार सीटों पर बढ़त मिली है, जबकि टीवीके ने दो सीटें जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।देश के विभिन्न हिस्सों में जारी मतगणना के बीच यह साफ हो रहा है कि कई राज्यों में मतदाता पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों से हटकर नए विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। खासकर तमिलनाडु में टीवीके का प्रदर्शन इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह परिणाम आने वाले वर्षों में दक्षिण भारतीय राजनीति की दिशा तय कर सकता है। विजय की अगुवाई में टीवीके अब न केवल सरकार बनाने की स्थिति में है, बल्कि राज्य की राजनीति में एक स्थायी शक्ति के रूप में उभरती दिख रही है।

चुनाव में जीत के बाद तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) के समर्थक और कार्यकर्ता जश्न मनाते हुए

# केरल में यूडीएफ को बहुमत, कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी

**तिरुवनंतपुरम :** केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। 140 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 71 सीटों की जरूरत होती है और यूडीएफ ने यह आंकड़ा आराम से पार कर लिया है। इन चुनावों में कांग्रेस 63 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने 22 सीटें जीतकर गठबंधन को मजबूत समर्थन दिया है। इसके अलावा केरल कांग्रेस ने 7 और रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) ने 3 सीटों पर जीत दर्ज की है। दूसरी ओर, माकपा (सीपीआई-एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) को इस बार हार का सामना करना पड़ा है। सीपीआई(एम) 26 सीटों पर सिमट गई, जबकि उसकी सहयोगी पार्टी सीपीआई को 8 सीटें मिली हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी 3 सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। राज्य में इस बार 140 सीटों के लिए कुल 883 उम्मीदवार मैदान में थे। चुनाव में मुख्य मुकाबला यूडीएफ और एलडीएफ के बीच ही देखने को मिला। दो लगातार कार्यकाल तक सत्ता में रही एलडीएफ सरकार के खिलाफ मतदाताओं में बदलाव की लहर साफ नजर आई, जिसका फायदा यूडीएफ को मिला। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परिणाम राज्य की राजनीति में एक बड़े बदलाव का संकेत है। एलडीएफ की हार के साथ ही 1960 के दशक के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी भी भारतीय राज्य में वामपंथी दल सत्ता में नहीं रहेंगे। कांग्रेस नेताओं ने इस जीत को जनता के भरोसे और विकास के मुद्दों की जीत बताया है। वहीं, एलडीएफ नेताओं ने जनादेश को स्वीकार करते हुए आत्ममंथन की जरूरत जताई है। यूडीएफ की इस जीत के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की उम्मीद है। कांग्रेस के नेतृत्व में बनने वाली सरकार से जनता को विकास, रोजगार और बेहतर शासन की उम्मीदें हैं।

# पुडुचेरी में एनडीए को बहुमत, एआईएनआरसी सबसे बड़ी पार्टी

**पुडुचेरी :** पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) के गठबंधन ने मिलकर सरकार बनाने के लिए जरूरी आंकड़ा पार कर लिया है।चुनाव परिणामों में एआईएनआरसी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसने 30 सदस्यीय विधानसभा में 12 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा ने 4 सीटों पर कब्जा जमाया, जबकि एआईएडीएमके को 1 सीट मिली। इस तरह एनडीए का कुल आंकड़ा 17 सीटों तक पहुंच गया, जो बहुमत के लिए पर्याप्त है।विपक्षी दलों की बात करें तो द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को 5 सीटों पर सफलता मिली, जबकि कांग्रेस (आईएनसी) महज 1 सीट पर सिमट गई। तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) ने भी 2 सीटें जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। चुनाव परिणामों से साफ है कि पुडुचेरी में मतदाताओं ने एनडीए गठबंधन पर भरोसा जताया है। एआईएनआरसी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार से स्थिरता और विकास की उम्मीद की जा रही है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह जनादेश पुडुचेरी की राजनीति में नए समीकरणों का संकेत देता है, जहां क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों के गठजोड़ ने मिलकर सत्ता का रास्ता तय किया है।अब एनडीए के घटक दलों के बीच सरकार गठन और नेतृत्व को लेकर मंथन शुरू होने की संभावना है, जिसके बाद जल्द ही नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो जाएगा।

### असम चुनावों में कांग्रेस के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के बेटों को मिली शिकस्त

**गुवाहाटी :** असम विधानसभा चुनाव में तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के पुत्र हार गए, जिनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद गौरव गोगोई और निवर्तमान विधानसभा में विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया शामिल हैं। गौरव के पिता दिवंगत तरुण गोगोई राज्य में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे थे, जिन्होंने 15 वर्षों तक कांग्रेस सरकारों का नेतृत्व किया। गौरव जोरहाट सीट पर मौजूदा भाजपा विधायक हितेंद्र नाथ गोस्वामी से 23,182 मतों के अंतर से हार गए। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख तीन बार के सांसद हैं और लोकसभा में जोरहाट का प्रतिनिधित्व करते हैं। दो बार मुख्यमंत्री रहे दिवंगत हितेश्वर सैकिया के पुत्र देबब्रत सैकिया नाजिरा के पारिवारिक गढ़ को बरकरार रखने में असफल रहे। पहले उनके पिता और बाद में उनकी मां हेमप्रभा सैकिया द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाली नाजिरा सीट पर देबब्रत 2011 से लगातार निर्वाचित होते रहे थे और 2016 से विपक्ष के नेता थे। हालांकि, इस बार देबब्रत भाजपा के मयूर बोरगोहेन से 46,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए। हार का सामना करने वाले एक और पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र दिगंता बर्मन हैं, जिनके पिता दिवंगत भूमिधर बर्मन ने हितेश्वर सैकिया के निधन के बाद कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। बर्मन बरखेत्री निर्वाचन क्षेत्र पर अपना कब्जा बरकरार रखने में असफल रहे और भाजपा के नारायण डेका से 84,000 से अधिक मतों के अंतर से हार गए।

### बंगाल में भाजपा की बढ़त पर भावुक हुए विजयवर्गीय, बनर्जी सरकार पर प्रताड़ना का आरोप लगाया

**इंदौर :** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बढ़त पर मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सोमवार को भावुक हो गए और मीडिया से बातचीत के दौरान उन्हें अपने आंसू पोंछते देखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सूबे की तृणमूल कांग्रेस सरकार के राज में भाजपा कार्यकर्ताओं को बुरी तरह प्रताड़ित किया गया और खुद उन पर गंभीर प्रकृति के झूठे मामले लाद दिए गए। विजयवर्गीय, भाजपा के केंद्रीय संगठन में पश्चिम बंगाल के प्रभारी महासचिव रह चुके हैं। वह अपने गृहनगर इंदौर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह कहते हुए भावुक हो गए कि महासचिव के तौर पर उनके छह साल के कार्यकाल में पश्चिम बंगाल में भाजपा के 300 कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई और अन्य कार्यकर्ताओं को बुरी तरह प्रताड़ित किया गया।

बीकानेर (राजस्थान): पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में जीत के जश्न में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्थक जेसीबी पर बैठकर उत्सव मनाते हुए।

### कोलाथुर में स्टालिन की हार, जयललिता के बाद चुनाव हारने वाले दूसरे मौजूदा मुख्यमंत्री बने

**चेन्नई :** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन सोमवार को राज्य के इतिहास में जे जयललिता के बाद दूसरे ऐसे मौजूदा मुख्यमंत्री बन गए, जिन्हें विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। स्टालिन को तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के वीएस बाबू ने हराया। बाबू पहले डीएमके के पदाधिकारी थे, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी राजनीतिक निष्ठा बदल ली थी। इस अप्रत्याशित हार को 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के सबसे महत्व-पूर्ण नतीजों में से एक माना जा रहा है। यह बदलती हुई राजनीतिक तस्वीर और टीवीके के एक बड़ी ताकत के रूप में उभरने का संकेत है। इससे पहले ऐसा ही एक वाकया 1996 में हुआ था, जब बरगुर विधानसभा क्षेत्र में डीएमके के ईजी सुगावनम ने जयललिता को हरा दिया था।

### 'इंडिया' गठबंधन के लिए सबक, किस्मत आज साथ है 'कल हो न हो'

**नयी दिल्ली :** किस्मत कभी बाजी पलट सकती है तो कभी दगा भी दे सकती है, विधानसभा चुनावों के नतीजे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को यह सबक दे गए। अभी एक महीने भी नहीं हुआ जब विपक्षी दलों ने एकजुट होकर लोकसभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक के खिलाफ मतदान किया और सरकार को नाकामी झेलनी पड़ी। अब विपक्ष के प्रमुख दलों तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और माकपा को क्रमश: पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल से सत्ता गंवानी पड़ी। हालांकि, विधानसभा चुनावों में हार से लोकसभा में 'इंडिया' गठबंधन के संख्या बल में कोई बदलाव नहीं आएगा, लेकिन सोमवार के नतीजों से इस गठबंधन के आंतरिक स्वरूप पर गहरी छाप पड़ने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत आसान नहीं थी, लेकिन अब उसकी विजय से राष्ट्रीय स्तर पर उसकी ताकत को बल मिलेगा। राज्य से लोकसभा के 42 सदस्य चुने जाते हैं तथा राज्यसभा चुनावों में यह प्रदेश भाजपा की ताकत को विस्तार देगा। ये नतीजे तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक के लिए बड़ा झटका है। इनके लोकसभा में क्रमश: 29 और 22 सदस्य हैं। इन विधानसभा चुनावों के नतीजों से 'इंडिया' गठबंधन के नेतृत्व में बदलाव की मांग की संभावना भी कम हो गई है। इससे पहले, जिन क्षेत्रीय दलों ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए थे, उन्हें खुद चुनावी हार का सामना करना पड़ा है, जिससे इन परिणामों के तत्काल बाद कांग्रेस के लिए गठबंधन के भीतर चुनौतियां कम हुई हैं। विपक्षी गठबंधन के बीच के बदलते स्वरूप की एक झलक लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक पेश होने से एक दिन पहले उस वक्त देखने को मिली जब इस पर रणनीति तय करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक बुलाई थी। उस बैठक में राहुल गांधी भी शामिल थे। तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक सहित लगभग सभी प्रमुख विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने उस बैठक में भाग लिया था। बैठक में टीएमसी ने संकेत दिया था कि चुनाव अभियान के कारण वह अपने 28 सदस्यीय संसदीय दल में से कई सांसदों को भेज नहीं पाएगी। राहुल ने दृढ़ता से इसका विरोध किया और तर्क दिया कि उसके इस कदम से भाजपा को प्रभावी रूप से मदद मिलेगी। बाद में टीएमसी को अपना रुख बदलना पड़ा और अपने 21 सांसदों को लोकसभा में मतदान के लिए भेजना पड़ा। अंततः एकजुट विपक्ष ने विधेयक को गिरा दिया। हालांकि, राहुल गांधी का यह रुख टीएमसी के एक वर्ग को पसंद नहीं आया।

तिरुवनंतपुरम: नेमोम विधानसभा सीट से जीत के बाद भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर का समर्थकों ने स्वागत किया

### बंगाल में सत्ता परिवर्तन पर डॉ. पांडेय की भविष्यवाणी सच, ज्योतिष और राजनीति पर नई बहस शुरू

**कोलकाता, समाज्ञा :** पश्चिम बंगाल में हालिया राजनीतिक घटनाक्रम के बाद ज्योतिष और भविष्यवाणियों की प्रासंगिकता एक बार फिर चर्चा के केंद्र में आ गई है। कोलकाता के विख्यात अंतरराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य एवं अर्थ फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. माताशंकर पांडेय द्वारा प्रकाशित वार्षिक पंचांग निर्णय मंजरी में राज्य में सत्ता परिवर्तन की संभावना का उल्लेख किया गया था, जो अब वास्तविक परिणामों से मेल खाता बताया जा रहा है। यह पंचांग हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर प्रकाशित होता है, जिसमें व्यक्तिगत राशिफल के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक घटनाओं का भी आकलन शामिल रहता है। उनके समर्थकों का कहना है कि उनकी कई भविष्यवाणियां समय के साथ सही साबित हुई हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता और बढ़ी है। डॉ. पांडेय की भविष्यवाणियां पहले भी चर्चा में रही हैं। वर्ष 2014 में उनकी एक भविष्यवाणी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी सार्वजनिक रूप से उनका आभार व्यक्त किया था। उन्हें देश-विदेश में विभिन्न ज्योतिषीय गणनाओं के लिए आमंत्रित किया जाता है और वे कई प्रतिष्ठित सम्मानों से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें भारत गौरव रत्न सम्मान तथा कैलिफोर्निया पब्लिक यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदान की गई मानद डॉक्टरेट उपाधि शामिल है। इस घटनाक्रम ने एक बार फिर राजनीति और ज्योतिष के संबंधों पर बहस को जन्म दिया है। इतिहास में भी ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहां भविष्यवाणियों का प्रभाव राजनीतिक निर्णयों और सत्ता परिवर्तन से जोड़ा जाता रहा है।

वर्ष 11, पूर्णांक 3582 अंक 048 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in

### राजस्थान में कई जगह तेज आंधी और बारिश

**जयपुर:** पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी है तथा बीते चौबीस घंटे में श्रीमाधोपुर में सर्वाधिक 48 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बूंदाबांदी और बारिश तथा आंधी से अनेक इलाकों में लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। इसके अनुसार, बीते 24 घंटे में राज्य में कहीं कहीं पर बादलों की गरज और आंधी के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश श्रीमाधोपुर (सीकर) में 48.0 मिलीमीटर हुई। इस समय राज्य के ज्यादातर भागों में अधिकतम तापमान में गिरावट आई है और यह 39-41 डिग्री दर्ज किया जा रहा है जो इस मौसम के औसत सामान्य तापमान से नीचे है। रविवार को दिन में अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस फलौदी में रहा।

### बंगाल में टीएमसी का 'भय' परास्त, प्रधानमंत्री मोदी का 'भरोसा' विजयी: पंकज चौधरी

**लखनऊ:** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बंगाल में टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) का 'भय' परास्त हुआ है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का 'भरोसा' विजयी हुआ है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान में चौधरी ने यह दावा किया। बयान के अनुसार पश्चिम बंगाल, असम एवं पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पंकज चौधरी ने कहा, 'गंगोत्री से गंगासागर तक भाजपा को मां गंगा और जनता जनार्दन का आशीर्वाद मिल रहा है।' चौधरी ने कहा, 'बंगाल में टीएमसी का 'भय' परास्त हुआ है और प्रधानमंत्री मोदी जी का 'भरोसा' विजयी हुआ है।' उन्होंने कहा कि असम में लगातार तीसरी जीत ने साबित कर दिया है कि जनता अब केवल 'कौशल प्रदर्शन' की राजनीति में रुचि ले रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत से उठी यह लहर उत्तर प्रदेश के 'मिशन 2027' को अभूतपूर्व ऊर्जा प्रदान करेगी।' चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को इस विजय का आधार बताते हुए इसे देश में विकास, सुशासन और विश्वास की राजनीति की जीत बताया।

# बंगाल में भाजपा की जीत पर मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में घाटों पर बंटी 'झालमुड़ी'

**लखनऊ/वाराणसी:** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सफलता पर सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा के घाटों पर जश्न मनाया गया और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाइयों के साथ 'झालमुड़ी' बांटकर जीत का उत्सव मनाया। दशाश्वमेध घाट समेत प्रमुख घाटों पर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक, खासकर महिलाएं एकत्र हुईं। कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े, एक-दूसरे को रंग लगाया और पश्चिम बंगाल के लोकप्रिय नाश्ते 'झालमुड़ी' का वितरण किया। इस मौके पर महिलाओं ने गंगा किनारे शंखनाद और पूजा-अर्चना की। कुछ स्थानों पर 'दुग्ध अभिषेक' भी किया गया। 'झालमुड़ी' का वितरण प्रतीकात्मक रूप से पश्चिम बंगाल से जुड़ा था।

बंगाल में 19 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी का झाड़ग्राम की एक दुकान से झालमुड़ी खरीदने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में दुकानदार के मना करने पर भी मोदी ने पैसे देने पर जोर दिया था। इसे लेकर तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने इसे 'नाटक' करार दिया था। वहीं भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने 21 अप्रैल को कहा था कि प्रधानमंत्री का झालमुड़ी खरीदना बंगाल चुनावों पर असर डालेगा। भाजपा समर्थक सुमित्रा भट्टाचार्य ने कहा, हम सुबह ही घाट पहुंचे। पूजा और शंखनाद किया। जैसे हम वाराणसी में सुरक्षित हैं, वैसे ही कोलकाता की महिलाओं-बच्चियों को भी सुरक्षा मिले, यही कामना है। सुनीता आचार्य बोलीं, हम सुबह से ही घाट पर हैं, झालमुड़ी खा रहे हैं और जीत का जश्न मना रहे हैं। मोदी समर्थक कंचन भट्टाचार्य ने कहा कि जिन्होंने झालमुड़ी बेचने वाले के प्रति मोदी जी की उदार भावना का मजाक उड़ाया, उन्हें बंगाल की जनता ने सबक सिखा दिया। भाजपा समर्थक तपस्वी मित्र ने कहा, बंगाल में परिवर्तन जरूरी था। परिवर्तन होगा तो राज्य आगे बढ़ेगा। अब तक वहां विकास नहीं हो पा रहा था। शहर के कई प्रमुख चौराहों और भाजपा कार्यालयों के बाहर भी कार्यकर्ता जुटे। पटाखे फोड़कर, मिठाइयां बांटकर और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के समर्थन में नारे लगाकर जश्न मनाया गया।

### केशव मौर्य का अखिलेश यादव पर तंज, बोले-'जनता अब उनकी सुनने को तैयार नहीं'

**लखनऊ:** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जनता उनकी बात सुनने को तैयार नहीं है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट में मौर्य ने लिखा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव को अब जनता सुनने को तैयार नहीं है। उनके तमिलनाडु वाले 'भैया' एम. के. स्टालिन और बंगाल की 'दीदी' ममता बनर्जी को भी जनता ने हाशिए पर धकेल दिया है। उन्होंने आगे कहा, उनके 'भैया' राहुल गांधी का हाल पहले ही सब देख चुके हैं, और हाल ही में बिहार में तेजस्वी यादव भी पराजित हो चुके हैं। मौर्य ने कहा ''समाजवादी पार्टी को वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्ता के सपने देखना छोड़ देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा आगे जा रही है और सपा के हिस्से अब केवल इंतजार ही रह गया है।'

## न्यूज अपडेट

### उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी

**लखनऊ:** उत्तर प्रदेश में 'एक जनपद-एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना को मंत्रिमंडल ने सोमवार को अपनी मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में ओडीओसी योजना समेत अन्य कई प्रस्तावों को मंजूरी मिली। एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने पत्रकारों को बताया कि सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट' की तर्ज पर 'एक जनपद-एक व्यंजन' योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर जिले के पारंपरिक व्यंजन को चिह्नित कर उसकी ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि योजना में गुणवत्ता सुधार, निर्यात के अवसर विकसित करने समेत अन्य चीजों पर विशेष फोकस रहेगा। खाद्य कारोबार से जुड़े कारीगरों और उद्यमियों को 25% तक की सब्सिडी (अधिकतम 20 लाख रुपये) दी जाएगी। इसके लिए 150 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा व जौनपुर की इमरती जैसे व्यंजनों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। बयान के अनुसार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में कार्यों की गुणवत्ता सुधारने और अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा पर रोक लगाने के लिए कैबिनेट ने निविदा निस्तारण की नई प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है।

### आंबेडकर नगर में चार बच्चों व उनकी मां की हत्या का आरोपी मुठभेड़ में मारा गया, दो पुलिसकर्मी घायल

**आंबेडकर नगर (उप्र):** आंबेडकर नगर में चार बच्चों और उनकी मां की हत्या के आरोपी को पुलिस ने सोमवार को मुठभेड़ में मार गिराया और इस दौरान दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दो दिन पहले पांच लोगों की हत्या करने के आरोपी की पहचान आमिर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ''एक तरफा प्यार'' और संपत्ति का लालच इन हत्याओं की वजह थी। आंबेडकर नगर की पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि यह मुठभेड़ रविवार और सोमवार की दरमियानी रात हुई। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आमिर को उस समय घेर लिया, जब वह जिले से भागने की कोशिश कर रहा था। आत्मसमर्पण करने के लिए मौका दिए जाने पर उसने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गंभीर चोटें आईं। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।'' इस हत्याकांड की कड़ियों को सुलझाना जांचकर्ताओं के लिए काफी चुनौती भरा रहा। दो मई को जब चारों बच्चों के शव मिले तो शुरुआत में मां पर संदेह गया लेकिन अगले दिन जब महिला का शव पास के एक नाले से बरामद हुआ तो स्पष्ट हो गया कि वह भी उसी अपराधी की शिकार थी। पुलिस अधीक्षक सिंह ने बताया कि विस्तृत जांच और तकनीकी निगरानी से पुलिस आमिर तक पहुंची। उन्होंने कहा, ''आमिर उस महिला से शादी करना चाहता था। साथ ही उसकी संपत्ति हड़पने की नीयत भी थी। जब बात नहीं बनी तो उसने पूरे परिवार को खत्म कर दिया।' मुठभेड़ के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

### उदयपुर संभाग में जल परियोजना के लिए तीन बजट में 900 करोड़ रुपये स्वीकृत: जल संसाधन मंत्री रावत

**उदयपुर:** प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि राजस्थान सरकार ने अपने तीन बजट में उदयपुर संभाग में कुल 900 करोड़ रुपये से अधिक की जल परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनका कार्य प्रगति पर है। रावत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है और प्रदेश भर में कई बड़ी जल परियोजनाओं पर कार्य जारी है। कैबिनेट मंत्री रावत सोमवार को उदयपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। रावत ने कहा कि वर्ष 2026-27 के बजट में उदयपुर संभाग में जारी जल परियोजनाओं के लिए 275 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं पिछले तीन बजट में कुल 900 करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

### बिहार : अनियंत्रित कंटेनर की टक्कर से पांच की मौत, तिलक समारोह से लौट रहे थे सभी

**सासाराम:** रोहतास जिले के दिनारा थाना क्षेत्र में आरा-मोहनियां राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-319 पर सोमवार तड़के एक अनियंत्रित कंटेनर की बस और पिकअप से टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई तथा दस अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मठिया निवासी अशोक कुमार सिंह (45), पिंटू कुमार (35), रामेश्वर सिंह (38), काराकाट थाना क्षेत्र के मिश्रवालिया निवासी छोटू कुमार (20) तथा कैमूर जिले के भगवानपुर निवासी रामबरत सिंह (44) के रूप में हुई है। दिनारा थाना अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रसाद ने बताया कि सभी लोग चेनारी के लोधी गांव में अशोक कुमार सिंह की पुत्री का तिलक समारोह संपन्न कर लौट रहे थे। गांव के समीप बेलवैया मठिया मोड़ पर बस और पिकअप वैन खड़ी कर लोग उतर रहे थे और कुछ लोग सामान उतार रहे थे, तभी तेज रफ्तार से आ रहे अनियंत्रित कंटेनर ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब दस लोग घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए दिनारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायल लोगों को सदर अस्पताल सासाराम रेफर किया गया। दो घायलों को बेहतर उपचार के लिए वाराणसी भेजा गया है। पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर लिया है। चालक घटना के बाद फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। सभी शवों को पोस्टमार्टम सदर अस्पताल सासाराम में कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। इस बीच, राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

### भाजपा की चुनावी जीत: योगी ने मंत्रियों को मिठाई खिलाई, केशव-ब्रजेश ने भाजपा मुख्यालय में जश्न मनाया

**लखनऊ:** पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सफलता पर सोमवार को उत्तर प्रदेश सरकार और संगठन में जश्न का माहौल रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल की बैठक से पहले मंत्रियों को मिठाई खिलाई, वहीं भाजपा मुख्यालय में दोनों उपमुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों पर नृत्य करने के साथ आतिशबाजी भी की। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पांच कालिदास मार्ग स्थित सरकारी आवास पर मंत्रिमंडल की बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों तथा घटक दल के नेताओं को मिठाई खिलाई। मुख्यमंत्री के आवास पर आयोजित बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, महिला बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य, पंचायती राज मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर समेत अन्य मंत्री शामिल हुए। योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के चुनावी सभाओं को संबोधित किया था। दूसरी तरफ विधानसभा चुनावों में इस सफलता पर उत्तर प्रदेश भाजपा मुख्यालय में जोरदार उत्सव मनाया गया। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य किया। भाजपा के एक बयान के मुताबिक भाजपा मुख्यालय में आतिशबाजी करके और एक-दूसरे का मुंह मीठा करके खुशी का इजहार किया गया। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव समेत अन्य पार्टी पदाधिकारी व बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भाजपा की विजय 'नए भारत' की जनभावना का स्पष्ट प्रतिबिंब है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को इस सफलता का मुख्य आधार बताते हुए कहा कि देश की जनता अब विकास और सुरक्षा की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। मौर्य ने कहा कि इन राज्यों की जनता ने परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए भाजपा के सुशासन मॉडल पर मुहर लगाई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि यह जीत उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं के लिए भी प्रेरणा है और आने वाले चुनावों में भाजपा और अधिक मजबूती के साथ जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरे देश में विकास और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ती रहेगी।

# समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

## व्रत - त्यौहार

**05.05.2026 : संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत**
**10.05.2026 : श्री शीतलाष्टमी व्रत, मातृ दिवस**
**11.05.2026 :कृतिका के सूर्य रात 10:58**

## ज्येष्ठ में बन रहा है दुर्लभ संयोग

सनातन धर्म में ज्येष्ठ माह को विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। वैशाख पूर्णिमा के बाद ज्येष्ठ माह की शुरुआत होती है। इस माह में श्रीहनुमान जी की साधना का विशेष महत्व है, क्योंकि इस माह में हर मंगलवार को बड़ा मंगल के रूप में मनाया जाता है।

हिंदू धर्म में ज्येष्ठ माह के प्रत्येक मंगलवार का विशेष महत्व माना जाता है। इस माह के मंगलवार को 'बड़ा मंगल' कहा जाता है, जो भगवान हनुमान की पूजा के लिए अत्यंत शुभ होता है। इस साल ज्येष्ठ माह का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि इस बार अधिकमास का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इसी वजह से सामान्य 4 या 5 की बजाय पूरे 8 बड़े मंगल पड़ रहे हैं, जो अपने आप में बेहद खास हैं। खास बात यह है कि अधिमास (पुरुषोत्तम मास) की वजह से आठ बड़े मंगल का विशेष संयोग मिलेगा, जो सामान्य वर्षों की तुलना में दोगुना हैं। इसकी वजह से श्रीहनुमान जी की उपासना को दोहरा अवसर प्राप्त होगा।

इनमें पहले और अंतिम मंगल का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन भक्त सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान हनुमान को प्रसन्न करने का प्रयास करते हैं। मान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति लगातार 40 दिनों तक हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो उसे विशेष कृपा और कई तरह के लाभ प्राप्त होते हैं।

कब से ज्येष्ठ का पहला मंगलवार?

इस वर्ष ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से होकर 29 जून तक रहेगी। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने का पहला बड़ा मंगल 5 मई को पड़ रहा है। यह दिन हनुमान भक्तों के लिए बेहद खास माना जाता है, क्योंकि इसी के साथ बड़े मंगल के पावन पर्व की शुरुआत होती है और भक्त पूरे उत्साह व श्रद्धा के साथ बजरंगबली की पूजा-अर्चना करते हैं।

रामायण की कथा के अनुसार जब प्रभु श्रीराम माता सीता की खोज कर रहे थे, तो हनुमान जी पहली बार प्रभु श्रीराम से मिले थे। हनुमान जी ने राम जी और लक्ष्मण जी की सच्चाई जानने के लिए एक पुरोहित का रूप बनाया हुआ था। जब हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी की सच्चाई जानी, तो उन्होंने प्रभु श्रीराम को प्रणाम किया। हनुमान जी और प्रभु श्रीराम का मिलन पहली बार ज्येष्ठ माह के मंगलवार को हुआ था, इसलिए इस ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़ा मंगलवार के नाम से जाना गया।

श्रद्धा और उपासना का पावन दिन ज्येष्ठ माह के 'बड़े मंगल' पर हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहता है। इस दिन पवनपुत्र को सिंदूर और चोला अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करना भक्तों के लिए विशेष फलदायी और मानसिक शांति देने वाला माना जाता है। निस्वार्थ सेवा की अनूठी परंपरा का प्रतीक यह पर्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा का एक जीवंत उदाहरण है।

# कब है गंगा दशहरा? जानें शुभ मुहूर्त और मां गंगा के अवतरण की कथा

सनातन धर्म में मां गंगा को अत्यंत पवित्र और पुण्यदायिनी माना गया है। गंगाजल का धार्मिक कार्यों में विशेष महत्व होता है और किसी भी पूजा-पाठ में शुद्धिकरण के लिए इसका उपयोग अनिवार्य माना जाता है। मान्यता है कि गंगा में स्नान करने से सभी पापों का नाश होता है, इसलिए उन्हें पतितपावनी भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मां गंगा का पृथ्वी पर अवतरण ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को हुआ था, जिसे गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। इस दिन गंगा स्नान, दान और पूजा का विशेष महत्व होता है। आइए जानते हैं कि 2026 में गंगा दशहरा कब मनाया जाएगा, स्नान-दान का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा और मां गंगा के अवतरण की पौराणिक कथा क्या है।

### गंगा दशहरा 2026 शुभ मुहूर्त

गंगा दशहरा 2026 में दशमी तिथि 25 मई 2026 को सुबह 4:30 बजे शुरू होगी और 26 मई 2026 को सुबह 5:10 बजे समाप्त होगी। इस दौरान हस्त नक्षत्र का प्रभाव 26 मई 2026 सुबह 4:08 बजे से शुरू होकर 27 मई 2026 सुबह 5:56 बजे तक रहेगा। वहीं व्यतीपात योग 27 मई 2026 सुबह 3:11 बजे से शुरू होकर 28 मई 2026 सुबह 3:25 बजे तक रहेगा।

### पूजा के लिए विशेष शुभ समय

इस दिन पूजा-पाठ के लिए ब्रह्म मुहूर्त सबसे उत्तम माना गया है, जो सुबह 4:40 बजे से 5:23 बजे तक रहेगा। इसके बाद सूर्योदय सुबह 6:06 बजे होगा। वहीं अभिजित मुहूर्त दोपहर 12:17 बजे से 1:10 बजे तक रहेगा, जिसे शुभ कार्यों और पूजा के लिए अत्यंत फलदायी माना जाता है।

### राजा सगर के पुत्रों का अंत

पौराणिक कथा के अनुसार, राजा सगर के साठ हजार पुत्रों ने महर्षि कपिल मुनि का अपमान कर दिया था। इससे क्रोधित होकर मुनि ने उन्हें अपनी तपस्या की अग्नि से भस्म कर दिया। इस कारण सभी पुत्र असामयिक मृत्यु को प्राप्त हुए और बिना अंतिम संस्कार के उनकी आत्माएं मोक्ष के बिना भटकने लगीं।

### भगीरथ का संकल्प

राजा सगर के वंश में बाद में भगीरथ का जन्म हुआ। जब उन्हें अपने पूर्वजों की दुर्दशा का पता चला, तो उन्होंने संकल्प लिया कि वे स्वर्ग से मां गंगा को पृथ्वी पर लाकर अपने पूर्वजों का उद्धार करेंगे। उन्होंने कठोर तपस्या की और भगवान ब्रह्मा को प्रसन्न किया।

### मां गंगा का धरती पर आगमन

भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने गंगा को पृथ्वी पर भेजने का वरदान दिया। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुईं। जब उनकी पवित्र धारा राजा सगर के पुत्रों की अस्थियों से टकराई, तो सभी आत्माओं को मोक्ष प्राप्त हुआ। इसी दिव्य घटना की स्मृति में गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाता है और माना जाता है कि इस दिन गंगा स्नान से सभी पापों का नाश होता है।

# ब्रह्म मुहूर्त को क्यों कहा जाता है दिन का सबसे शक्तिशाली समय?

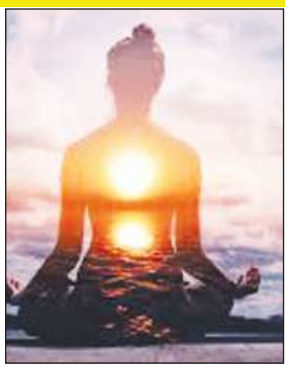

सुबह की वह घड़ी, जब दुनिया अभी पूरी तरह जागी नहीं होती, हवा में हल्की ठंडक होती है और हर तरफ सुकून पसरा रहता है यही समय है ब्रह्म मुहूर्त का। यह वह पल है जब प्रकृति आपको खुद से जुड़ने का मौका देती है। सूर्योदय से करीब डेढ़ घंटे पहले आने वाला यह समय मानसिक और शारीरिक संतुलन के लिए बेहद खास माना जाता है।

**ब्रह्म मुहूर्त क्यों है इतना खास?**

प्राचीन समय में ऋषि-मुनि इसे साधना और ज्ञान का श्रेष्ठ समय मानते थे। आज के दौर में भी इसकी अहमियत बनी हुई है। इस समय वातावरण शांत होता है, दिमाग तरोताजा रहता है और शरीर पूरी नींद के बाद सक्रिय होता है। इसलिए इस दौरान किया गया हर काम ज्यादा प्रभावी होता है।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि सुबह जल्दी उठने से दिमाग अधिक एक्टिव रहता है, तनाव कम होता है और दिन की शुरुआत सकारात्मक होती है। जो लोग इस समय उठते हैं, उनकी दिनचर्या अधिक संतुलित और ऊर्जा से भरी रहती है।

**ब्रह्म मुहूर्त में क्या करें?**

इस समय की शुरुआत कुछ पल शांति से बैठकर करें। ध्यान या मेडिटेशन करने से मन स्थिर होता है और सोच स्पष्ट होती है। इसके बाद हल्का योग या प्राणायाम शरीर को एक्टिव करता है। अगर आप आध्यात्मिक झुकाव रखते हैं, तो पूजा, मंत्र जाप या ध्यान इस समय करना और भी लाभकारी माना जाता है।

**किन गलतियों से बचना जरूरी है?**

अलार्म बंद करके दोबारा सो जाना इस समय की सबसे बड़ी गलती है। उठते ही मोबाइल चलाना या नकारात्मक खबरें देखना भी दिमाग पर बुरा असर डालता है। इसके अलावा गुस्सा करना, बहस करना या नकारात्मक सोच रखना पूरे दिन के मूड को बिगाड़ सकता है। इस समय भारी भोजन करने से भी बचना चाहिए।

**पढ़ाई और क्रिएटिव काम के लिए बेस्ट टाइम**

ब्रह्म मुहूर्त में दिमाग सबसे ज्यादा शांत और केंद्रित होता है, इसलिए यह पढ़ाई और रचनात्मक कार्यों के लिए आदर्श समय है। छात्रों के लिए यह समय खास फायदेमंद है, क्योंकि याददाश्त और समझने की क्षमता बेहतर होती है।

**आध्यात्मिकता और आधुनिक सोच का मेल**

कई लोग इसे देवताओं का समय मानते हैं और इस दौरान पूजा-पाठ को विशेष फलदायी बताते हैं। वहीं आधुनिक नजरिए से देखा जाए तो यह समय मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद उपयोगी है। सुबह की सकारात्मक शुरुआत पूरे दिन को बेहतर बना देती है।

**कैसे डालें ब्रह्म मुहूर्त में उठने की आदत?**

इस आदत को अपनाने के लिए धीरे-धीरे अपनी दिनचर्या बदलें। रात को समय पर सोएं और सोने से पहले मोबाइल का इस्तेमाल कम करें। अलार्म लगाकर उठें और तुरंत बिस्तर छोड़ दें। कुछ दिनों के अभ्यास के बाद यह आपकी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन जाएगा।

# महर्षि भृगु ने विष्णु को मारी थी लात

महर्षि भृगु ब्रह्माजी के मानस पुत्र थे। वे सप्तर्षि मंडल के एक ऋषि हैं। सावन और भाद्रपथ में वे भगवान सूर्य के रथ पर सवार रहते हैं।

एक बार की बात है, सरस्वती नदी के तट पर ऋषि-मुनि एकत्रित होकर इस विषय पर विवाद हो गया कि ब्रह्माजी, शिवजी और श्रीहरि में सबसे बड़े और श्रेष्ठ कौन हैं? इसका कोई निष्कर्ष न निकलता देख उन्होंने त्रिदेवों की परीक्षा लेने का निश्चय किया और ब्रम्हाजी के मानस पुत्र महर्षि भृगु को इस कार्य के लिए नियुक्त किया।

भृगु सर्वप्रथम ब्रह्माजी के पास गए। उन्होंने न तो प्रणाम किया और न ही उनकी स्तुति की। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हो गए। क्रोध की अधिकता से उनका मुख लाल हो गया। आंखों में अंगारे दहकने लगे लेकिन फिर यह सोचकर कि ये उनके पुत्र हैं, उन्होंने हृदय में उठे क्रोध के आवेग को विवेक और बुद्धि से शांत कर लिया।

वहां से महर्षि भृगु कैलाश गए। देवाधिदेव भगवान महादेव ने देखा कि भृगु आ रहे हैं तो वे प्रसन्न होकर अपने आसन से उठे और उनका आलिंगन करने के लिए भुजाएं फैला दीं किंतु उनकी परीक्षा लेने के लिए भृगु मुनि उनका आलिंगन अस्वीकार करते हुए बोले, 'महादेव, आप सदा वेदों और धर्म की मर्यादा का उल्लंघन करते हैं। दुष्टों और पापियों को आप जो वरदान देते हैं, उनसे सृष्टि पर भयंकर संकट आ जाता है इसलिए मैं आपका आलिंगन कदापि स्वीकार नहीं करूंगा।'

उनकी बात सुनकर भगवान शिव क्रोध से तिलमिला उठे। उन्होंने जैसे ही त्रिशूल उठाकर उन्हें मारना चाहा, वैसे ही भगवती ने बहुत अनुनय-विनय कर किसी प्रकार से उनका क्रोध शांत किया। इसके बाद भृगु मुनि बैकुण्ठ लोक गए। उस समय भगवान श्रीहरि देवी लक्ष्मी के साथ क्षीरसागर में विश्राम कर रहे थे।

भृगु ने जाते ही उनके वक्ष पर एक तेज लात मारी। भक्त वत्सल भगवान विष्णु शीघ्र ही अपने आसन से उठ खड़े हुए और उन्हें प्रणाम करके उनके चरण सहलाते हुए बोले, 'भगवन, आपके पांव में चोट तो नहीं लगी? कृपया इस आसन पर विश्राम कीजिए। भगवन, मुझे आपके शुभ आगमन का ज्ञान न था। इसलिए मैं आपका स्वागत नहीं कर सका। आपके चरणों का स्पर्श तीर्थों को पवित्र करने वाला है। आपके चरणों के स्पर्श से आज मैं धन्य हो गया।'

भगवान विष्णु का यह प्रेम व्यवहार देखकर महर्षि भृगु की आंखों से अश्रु बहने लगे। उसके बाद वे ऋषि-मुनियों के पास लौट आए और ब्रह्माजी, शिवजी और श्रीहरि के यहां के सभी अनुभव विस्तार से कह बताए। उनके अनुभव सुनकर सभी ऋषि-मुनि बड़े हैरान हुए और उनके सभी संदेह दूर हो गए। तभी से वे भगवान विष्णु को सर्वश्रेष्ठ मानकर उनकी पूजा-अर्चना करने लगे।

वास्तव में उन ऋषि-मुनियों ने अपने लिए नहीं, बल्कि मनुष्यों के संदेहों को मिटाने के लिए ही ऐसी लीला रची थी। (उर्वशी)

## रोहित जैन ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का पदभार संभाला

**मुंबई:** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि रोहित जैन ने केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर का पदभार संभाल लिया। जैन को विदेशी मुद्रा और वित्तीय-प्रौद्योगिकी समेत 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि जैन ने टी रबी शंकर का स्थान लिया है, जिनका विस्तारित कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो गया। जैन की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए की गई है। जैन इससे पहले आरबीआई के कार्यकारी निदेशक के पद पर थे। उन्हें केंद्रीय बैंक में 34 वर्ष से अधिक का व्यापक अनुभव है। बयान के मुताबिक, डिप्टी गवर्नर के रूप में जैन बाह्य निवेश एवं परिचालन, वित्तीय बाजार विनियमन, आंतरिक ऋण प्रबंधन, विदेशी विनिमय, वित्तीय-प्रौद्योगिकी, जोखिम निगरानी, सूचना प्रौद्योगिकी, सरकारी एवं बैंक खाते, कॉरपोरेट रणनीति एवं बजट और राजभाषा विभाग को संभालेंगे। वर्ष 1991 में आरबीआई का हिस्सा बनने वाले जैन गुजरात विश्वविद्यालय से एमबीए (वित्त) और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.कॉम हैं। अपने लंबे करियर के दौरान जैन ने आरबीआई के पर्यवेक्षण विभाग में मुख्य महाप्रबंधक सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

## भारत, कनाडा ने एफटीए पर वार्ता के दूसरे दौर की शुरुआत की

**नयी दिल्ली:** भारत और कनाडा ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता का दूसरा दौर सोमवार को शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते को आधिकारिक रूप से व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इस वार्ता में वस्तुओं, सेवाओं तथा अन्य पारस्परिक रूप से सहमत नीतिगत क्षेत्रों में व्यापार पर चर्चा की जाएगी। अधिकारी ने कहा,' पांच दिवसीय वार्ता चार मई से यहां शुरू हुई।' वार्ता का पहला दौर मार्च में आयोजित किया गया था। यह दौर महत्वपूर्ण है क्योंकि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस माह के अंत तक वार्ता को गति देने के लिए कनाडा की यात्रा करेंगे। यह वार्ता प्रक्रिया फिर से शुरू होने का संकेत भी है क्योंकि कनाडा ने 2023 में वार्ता को रोक दिया था। हालांकि अब दोनों ने पिछले दो वर्ष में वैश्विक व्यापार परिदृश्य में आए बदलावों को देखते हुए बातचीत को नए सिरे से शुरू करने का निर्णय लिया है। यह वार्ता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों पक्षों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। 2024-25 में यह 8.66 अरब अमेरिकी डॉलर (4.22 अरब डॉलर निर्यात और 4.44 अरब डॉलर आयात) रहा। कनाडा क्रय शक्ति समता के आधार पर कनाडा 4.165 करोड़ लोगों (2025) के बाजार और 2340 अरब अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडपी) का प्रतिनिधित्व करता है। भारत से कनाडा को प्रमुख निर्यात में दवाइयां, लोहा एवं इस्पात, समुद्री उत्पाद, सूती परिधान, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रसायन शामिल हैं। वहीं प्रमुख आयात में दालें, मोती एवं अर्ध-कीमती पत्थर, कोयला, उर्वरक, कागज तथा कच्चा पेट्रोलियम शामिल हैं। भारत के सेवा क्षेत्र के प्रमुख निर्यात में दूरसंचार, कंप्यूटर एवं सूचना सेवाएं तथा अन्य व्यावसायिक सेवाएं शामिल हैं। कनाडा में 4.25 लाख से अधिक भारतीय छात्र और मजबूत भारतीय समुदाय भी मौजूद है।

# चुनावी नतीजों से शेयर बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 356 अंक चढ़ा

**मुंबई:** प्रमुख कंपनियों में लिवाली आने और पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहने से सोमवार को घरेलू शेयर बाजार चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 356 अंक की मजबूती रही जबकि निफ्टी 122 अंक चढ़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 355.90 अंक यानी 0.46 प्रतिशत बढ़कर 77,269.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 997.25 अंक उछलकर 77,910.75 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 121.75 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,119.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, इटर्नल और मारुति सुजुकी के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी के शेयर नुकसान में रहे। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, पश्चिम एशिया से जुड़े जोखिमों को नजरअंदाज करते हुए पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के अनुकूल रुझान और चौथी तिमाही के बेहतर नतीजों से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.79 प्रतिशत की बढ़त पर रहा जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 0.75 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में रियल्टी खंड, सेवा, पूंजीगत उत्पाद और औद्योगिक खंड एक प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। वहीं, आईटी और बैंक खंड में गिरावट रही। बीएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में से 2,607 शेयर बढ़कर बंद हुए जबकि 1,735 शेयरों में गिरावट रही और 216 अन्य अपरिवर्तित रहे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, बाजार में आगे भी बढ़त का रुख बने रहने की उम्मीद है। यह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, मजबूत घरेलू आंकड़े और पांच राज्यों के चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक स्पष्टता पर आधारित रहेगा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.48 प्रतिशत बढ़कर 109.8 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

### पेट्रोल-डीजल पर घाटे के बावजूद तेल कंपनियों को राहत देने का प्रस्ताव नहीं: अधिकारी

**नयी दिल्ली:** पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) की खुदरा बिक्री पर सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए वित्तीय समर्थन देने का सरकार के पास फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है। सोमवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, तेल विपणन कंपनियों को उनके नुकसान के लिए समर्थन देने का कोई भी प्रस्ताव सरकार के समक्ष नहीं है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) पिछले दो महीनों से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बावजूद पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम नहीं बढ़ा रही हैं। कच्चे तेल की लागत बढ़ने और खुदरा दाम में स्थिरता की वजह से इन पेट्रोलियम कंपनियों को प्रति लीटर 25-28 रुपये तक का 'अंडर-रिकवरी' (लागत से कम कीमत पर बिक्री) झेलना पड़ रहा है। इसके अलावा, कंपनियों को दो दशक से अधिक समय में पहली बार एटीएफ पर भी घाटा उठाना पड़ रहा है।

## एलपीजी की घरेलू खपत अप्रैल में 16 प्रतिशत घटकर 22 लाख टन पर

**नयी दिल्ली:** पश्चिम एशिया में संघर्ष की वजह से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत अप्रैल में 16 प्रतिशत से अधिक घटकर 22 लाख टन रह गई। सोमवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी मिली। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) की तरफ से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष अप्रैल में एलपीजी की घरेलू खपत सालाना आधार पर 16.16 प्रतिशत घटकर 22 लाख टन रह गई जबकि अप्रैल 2025 में यह 26.2 लाख टन थी। मासिक आधार पर भी एलपीजी खपत में गिरावट दर्ज की गई है। मार्च 2026 में एलपीजी की घरेलू खपत 23.79 लाख टन रही थी। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष छिड़ने के कारण इस मार्ग से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आने वाली गैस की खेपों में बाधा आई। सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने के लिए होटल और उद्योगों जैसे वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति घटा दी है। साथ ही घरेलू सिलेंडर की दो रिफिलिंग के बीच अंतराल भी बढ़ाया गया है। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में विमानन ईंधन (एटीएफ) की खपत 1.37 प्रतिशत घटकर 7.61 लाख टन रह गई, जो हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों में कमी का असर दर्शाती है। इस दौरान डीजल की खपत वृद्धि दर में भी सुस्ती रही और यह केवल 0.25 प्रतिशत बढ़कर 82.82 लाख टन रही। मार्च में इसमें 8.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

### विभाजन के बाद वेदांता का शेयर 8.5 प्रतिशत चढ़ा

**नयी दिल्ली:** खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता का शेयर सोमवार को 8.5 प्रतिशत चढ़ा। कंपनी के अपने विभिन्न कारोबारों को अलग करने के बाद शेयर में तेजी आई। बीएसई में कंपनी का शेयर 8.54 प्रतिशत उछलकर 294.80 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 8.98 प्रतिशत बढ़कर 296 रुपये तक पहुंच गया था। एनएसई में भी शेयर 8.50 प्रतिशत बढ़कर 294.65 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी के निदेशक मंडल ने पहले एक मई से प्रभावी विभाजन को मंजूरी दी थी, जिससे पांच स्वतंत्र और क्षेत्र-विशिष्ट इकाइयों के गठन का रास्ता साफ हुआ। इस पुनर्गठन का उद्देश्य प्रत्येक इकाई को अपनी अलग वृद्धि रणनीति अपनाने और व्यापक निवेशक आधार को आकर्षित करने में सक्षम बनाना है।

## न्यूज अपडेट

### रुपया 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 प्रति डॉलर पर

**मुंबई:** रुपया सोमवार को 39 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता, तेल की कीमतों में उछाल और मुद्रास्फीति और आर्थिक नरमी की आशंकाएं बढ़ने से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 110 डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। इसके अलावा, वैश्विक अनिश्चितताओं में वृद्धि के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी जैसे कारकों ने निवेशकों के विश्वास को और भी कमजोर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें गिरावट जारी रही और अंत में 95.23 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा जो पिछले बंद भाव से 39 पैसे की गिरावट है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.84 पर बंद हुआ था। 'महाराष्ट्र दिवस' के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शेयर बाजार और मुद्रा बाजार बंद थे। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, ''डॉलर में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारतीय रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है। तेल की कीमतों में लगातार हो रही इस वृद्धि और विदेशी पूंजी की निकासी से भारत के व्यापार संतुलन एवं कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट दबाव पड़ रहा है।''

### कच्चातेल कीमतों में उछाल, मजबूत डॉलर के कारण सोना वायदा भाव में गिरावट

**नयी दिल्ली:** मजबूत डॉलर और कच्चातेल कीमतों में तेजी के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के अनुरूप वायदा कारोबार में सोमवार को सोने की कीमत करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.50 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 1,149 रुपये यानी 0.76 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,50,203 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। इसमें 9,510 लॉट का कारोबार हुआ। पिछले हफ्ते, सोने की कीमत 1,347 रुपये यानी लगभग एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.51 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही थी। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक, गौरव गर्ग ने कहा, 'सोने की कीमतें काफी हद तक एक दायरे में ही बनी हुई हैं। लगातार महंगाई को लेकर चिंताओं और ऊंची ब्याज दरों की आशंका के चलते कीमतों पर थोड़ा दबाव देखने को मिला है। हालांकि वैश्विक तनावों के कारण कीमतों को कुछ हद तक सहारा भी मिल रहा है।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार, न्यूयॉर्क में जून अनुबंध वाले कॉमेक्स सोना वायदा की कीमत 58.7 डॉलर यानी 1.26 प्रतिशत टूटकर 4,585.8 डॉलर प्रति औंस रही।

### चांदी 6,800 रुपये उछली, सोना 2,000 रुपये टूटा

**नयी दिल्ली:** राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को चांदी की कीमत 6,800 रुपये चढ़कर 2.49 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रही। विदेशी बाजारों में कीमतों पर दबाव के बावजूद आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की तरफ से मजबूत खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में भाव में तेजी रही। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 2,000 रुपये, यानी 1.3 प्रतिशत टूटकर 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। बृहस्पतिवार को बाजार बंद होने के समय इसकी कीमत 1,54,800 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'ऊर्जा की ऊंची कीमतों और अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच सोमवार को कम कारोबार वाले सत्र में सोने की कीमत में गिरावट आई।' उन्होंने कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों से ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका है। साल के आखिर में इनमें और तेजी आने की आशंका है। गांधी ने कहा, 'इस नजरिए ने डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल दोनों को सहारा दिया है। सत्र के दौरान ये दोनों ऊपर चढ़े, जिससे कीमती धातुओं की कीमतों पर दबाव बना।'

### आरबीआई ने चार डिप्टी गवर्नर के बीच विभागों का बंटवारा किया

**मुंबई:** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को डिप्टी गवर्नरों के बीच विभागों का बंटवारा किया, जिसमें नवनियुक्त रोहित जैन को 10 विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जानकीरमन को 11 विभागों की जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें पर्यवेक्षण, विधि, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) और निरीक्षण शामिल हैं।



## अंजलि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक जीता

**नयी दिल्ली:** राजस्थान की अंजलि शेखावत ने सोमवार को यहां 24वीं कुमार सुरेंद्र सिंह स्मृति निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। अंजलि क्वालीफिकेशन में 576 अंक के साथ चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए 240.5 के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया। हरियाणा की कनक बुधवार ने 238.7 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता जबकि पंजाब की अगम रंजीत कौर ग्रेवाल ने 216 के स्कोर से कांस्य पदक हासिल किया। क्वालीफिकेशन दौर में तेलंगाना की ओलंपियन ईशा सिंह 582 अंक के साथ शीर्ष पर रहीं थी। हालांकि ईशा सिंह और मध्य प्रदेश की महिमा तुर्ही अग्रवाल ने फाइनल में हिस्सा नहीं लिया। तुर्ही ने 575 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए क्वालीफाई किया था। महिला वर्ग की रजत पदक विजेता कनक ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर महिला वर्ग में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 238.4 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की प्रियांशी पूर्वा ने 237.5 के स्कोर से रजत पदक जीता जबकि हरियाणा की ही केतन ने 216.8 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीतकर राज्य के लिए क्लीन स्वीप पूरा किया। युवा महिला 10 मीटर एयर पिस्टल युवा महिला वर्ग में कनक ने एक बार फिर जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 244.3 के शानदार स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। हरियाणा की नव्या ने 237.7 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि सेना की अंजली महेंद्र भागवत ने 215.3 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में हरियाणा की प्रियांशी पूर्वा, नव्या और सुरभि राव की तिकड़ी ने 1718 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।

## भारत का शॉटगन विश्व कप में खराब प्रदर्शन जारी: अनुभवी मैराज 26वें स्थान पर

**अल्माटी (कजाखस्तान):** भारत की गनेमत सेखों ने 75 में से 70 अंक हासिल करके पहले दिन का समापन नौवें स्थान पर किया, जबकि अनुभवी मैराज अहमद खान को सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में स्कीट प्रतियोगिता में एक और निराशाजनक प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। गनेमत फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में मजबूती से बनीं हुई हैं। क्वालीफिकेशन में अभी 50 निशाने बचे हुए हैं और शीर्ष आठ निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। तीन साल पहले यहां रजत पदक जीतने वाली चंडीगढ़ की गनेमत आठवें स्थान पर काबिज निशानेबाज से एक अंक पीछे हैं। पुरुष वर्ग में अनुभवी मैराज अहमद खान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 50 वर्षीय खिलाड़ी ने 25 निशाने के साथ बेहतरीन शुरुआत की, लेकिन इसके बाद 23 और 23 के स्कोर के साथ कुल 71 अंक बनाकर 26वें स्थान पर हैं। ओलंपियन अनंतजीत सिंह नरूका ने भी 25 के परफेक्ट स्कोर से शुरुआत की, लेकिन बाद में 23 और 21 के साथ उनका कुल स्कोर 69 है। गुरजोत सिंह खंगूरा ने 22, 24 और 24 के स्कोर के साथ कुल 70 अंक बनाए और 33वें स्थान पर हैं। महिला वर्ग में राइजा ढिल्लों ने 69 (22, 23, 24) का स्कोर किया, जबकि परिनाज़ धालीवाल 66 (22, 21, 23) के साथ तालिका में काफी पीछे हैं।

# रोहित और रिकेल्टन के तूफान में उड़े सुपर जाइंट्स, मुंबई इंडियन्स छह विकेट से जीता

**मुंबई :** मुंबई इंडियन्स ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को छह विकेट से हराकर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और रेयान रिकेल्टन की तूफानी पारियों ने मैच का रुख एकतरफा कर दिया।229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई को रोहित (84) और रिकेल्टन (83) ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 143 रन की विस्फोटक साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। रिकेल्टन ने सिर्फ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जबकि रोहित ने 27 गेंद में पचासा जड़ा।रिकेल्टन के आउट होने के बाद भी रोहित ने आक्रामक रुख जारी रखा, लेकिन वह स्पिनर एम. सिद्धार्थ की गेंद पर आउट हो गए। अंत में नमन धीर (नाबाद 23) और विल जैक्स (नाबाद 10) ने टीम को आठ गेंद शेष रहते जीत दिला दी।इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने पांच विकेट पर 228 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 21 गेंद में 63 रन की तूफानी पारी खेली, जबकि मिचेल मार्श ने 44 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 94 रन जोड़े।अंत में हिम्मत सिंह (नाबाद 40) और एडेन मार्करम (नाबाद 31) ने टीम को 200 के पार पहुंचाया, लेकिन रन गति तेज नहीं कर सके।मुंबई की ओर से कोर्बिन बॉश ने 20 रन देकर दो विकेट चटकाए। इस जीत से मुंबई के 10 मैच में छह अंक हो गए हैं, जबकि लखनऊ लगातार छठी हार के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे बना हुआ है।

## अच्छा प्रदर्शन न करने पर भी दो अंक हासिल करने में सफल रहे हैं: होल्डर

अहमदाबाद: जेसन होल्डर का मानना है कि गुजरात टाइटन्स ने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन इसके बावजूद वह मैच जीत रहा है और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। होल्डर ने पंजाब किंग्स के खिलाफ चार विकेट लेकर गुजरात की पांच विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इस बात पर खुशी व्यक्त की कि टीम व्यक्तिगत प्रदर्शन के बजाय सामूहिक प्रयास से जीत हासिल कर रही है। होल्डर में मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम जिस तरह से खेल रहे हैं उसकी खूबसूरती यह है कि हम किसी भी मैच में केवल एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हैं और अलग-अलग दिनों में अलग-अलग खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने अभी तक शायद अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेला है, लेकिन इसकी खूबसूरती यह है कि हम तब भी जीत हासिल करके दो अंक हासिल कर रहे हैं।' गुजरात इस मैच में बड़ी जीत हासिल कर सकता था लेकिन उसने एक गेंद शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल किया। होल्डर ने हालांकि नेट रन-रेट को लेकर चिंतित होने के बजाय दो अंक हासिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि पहली प्राथमिकता हमेशा मैच जीतना होती है। अगर हम ऐसी स्थिति में होते हैं जहां परिस्थितियां अनुकूल हों तो हम नेट रन-रेट के बारे में सोच सकते हैं। मुझे लगता है कि हम ऐसा करेंगे।'' वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि हमारी पहली प्राथमिकता हर मैच में दो अंक हासिल करना और अपनी लय बनाए रखना है। हम लगातार तीन जीत के साथ अच्छे फॉर्म में हैं। इसलिए हमें बस अपनी निरंतरता बनाए रखनी है। मुझे लगता है कि रन रेट और इस तरह की चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी।' होल्डर ने चार मैचों में सात विकेट लिए हैं, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में लगातार विकेट लेने के लिए तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज को काफी श्रेय दिया।

## पंड्या पीठ में जकड़न के कारण सुपर जाइंट्स के खिलाफ मुकाबले से बाहर, रोहित की वापसी

**मुंबई:** खराब फॉर्म से जूझ रहे मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या सोमवार को पीठ में जकड़न के कारण लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी टीम के करो या मरो के इंडियन प्रीमियर लीग मैच से बाहर हो गए जबकि रोहित शर्मा की टीम में वापसी हुई है। भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव टॉस के लिए आए और बताया कि वह बीमार पंड्या की जगह कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। टीम के बयान में कहा गया, 'हार्दिक पंड्या पीठ में खिंचाव के कारण अस्वस्थ हैं इसलिए आज के मैच के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव होंगे।' कप्तान और खिलाड़ी के तौर पर पंड्या के लिए आईपीएल 2026 भुला देने वाला रहा है क्योंकि पिछले साल ग्रुप चरण में चौथे स्थान पर रहने के बाद मुंबई इंडियन्स अब टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है। मुंबई ने अब तक अपने नौ मैच में से दो जीते हैं और सात गंवाए हैं। पंड्या ने मौजूदा सत्र में अब तक 186 रन बनाए हैं और चार विकेट लिए हैं। बीमार होने के कारण पंड्या इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी एक मैच नहीं खेल पाए थे जिसमें टीम की कप्तानी सूर्यकुमार ने की थी। इस बीच रोहित का नाम टीम सूची में पांच 'इम्पैक्ट सब' खिलाड़ियों में शामिल है। रोहित 12 अप्रैल के बाद पहली बार टीम में वापसी कर रहे हैं। उस दिन मुंबई और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच हुए मैच के दौरान उनके पैर की मांसपेशियों में चोट लग गई थी।

## भारत ने जमैका को इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड उपहार में दिया

**किंगस्टन:** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस के साथ मिलकर रविवार को यहां सबीना पार्क में भारत द्वारा उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का अनावरण किया। इस अवसर पर जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका के बीच संबंध क्रिकेट की गहराई से निहित हैं। किंगस्टन स्थित सबीना पार्क जमैका क्रिकेट टीम का घरेलू मैदान है। यह वेस्टइंडीज के इस राष्ट्र का एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैदान है। जयशंकर ने रविवार को समारोह के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'भारत और जमैका की कहानी रनों में लिखी गई है, सम्मान में लिखी गई है, दोस्ती में लिखी गई है। प्रधानमंत्री एंड्रयू होल्नेस जेएम के साथ सबीना पार्क में भारत द्वारा उपहार में दिए गए इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड का औपचारिक रूप से अनावरण किया।' जयशंकर ने आशा व्यक्त की कि नया स्कोरबोर्ड कई यादगार पारियों का गवाह बनेगा, जिनमें वे पारियां भी शामिल होंगी जो दोनों देशों के बीच अटूट मित्रता का प्रतीक होंगी। उन्होंने कहा, 'भविष्य की कई महान पारियों को इस स्कोरबोर्ड पर दर्ज किया जाएगा। उनमें से एक भारत-जमैका की मित्रता की पारी भी हो।'

## भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर ने विलियमसन के मार्गदर्शन में विशेष शिविर में हिस्सा लिया

**बेंगलुरु:** भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपरों सविता, बिचू देवी खारिबाम, बंसरी सोलंकी और माधुरी किंडो ने आयरलैंड के डेविड विलियमसन द्वारा आयोजित एक विशेष गोलकीपिंग शिविर में हिस्सा लिया। यह शिविर मुख्य कोच शोर्ड मारिन की देखरेख में आयोजित किया गया था और दो मई को यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में समाप्त हुआ। कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के 'आनंदना' के सहयोग से आयोजित यह 11 दिवसीय शिविर 22 अप्रैल को शुरू हुआ था जिसमें गोलकीपरों को केंद्रित और उच्च-प्रदर्शन वाला प्रशिक्षण दिया गया। विलियमसन उत्तरी आयरलैंड के एक अत्यंत अनुभवी फील्ड हॉकी कोच और पूर्व खिलाड़ी हैं। वह एक जाने-माने गोलकीपिंग विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अमेरिकी महिला राष्ट्रीय टीम के साथ बड़े पैमाने पर काम किया है। सीनियर गोलकीपरों सविता, बिचू देवी, बंसरी और माधुरी ने इन सत्र में भाग लिया जिससे उन्हें तकनीकी बुनियादी बातों, निर्णय लेने की क्षमता, रक्षात्मक पहलुओं और मैच की स्थितियों में रणनीतिक जागरूकता पर गहनता से ध्यान केंद्रित करने का अवसर मिला। यह ऐसे समय में हुआ जब टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रही है।